FACILITATOR'S MANUAL

CLASS 1

HINDI

2026-27

विषय सुची

1. स्वर, व्यंजन, पंचम वर्ण तथा संयुक्त व्यंजन का अभ्यास 4
2. आ (ा) की मात्रा का ज्ञान 8
3. इ (ि) की मात्रा का ज्ञान 14
4. ई (ी) की मात्रा का ज्ञान 20
5. उ (ु) की मात्रा का ज्ञान 26
6. ऊ (ू) की मात्र का ज्ञान 31
7. ए (े) की मात्र का ज्ञान 37
8. ऐ (ै) की मात्र का ज्ञान 42
9. ओ (ो) की मात्र का ज्ञान 47
10. औ (ौ) की मात्र का ज्ञान 52
11. अं (ं) की मात्र का ज्ञान 57
12. अँ (ँ) की मात्रा का ज्ञान 62
13. अः (ः) की मात्रा का ज्ञान 67
14. ऋ (ृ) की मात्रा का ज्ञान 72
15. संयुक्त 75
16. उलटे अर्थ वाले शब्द 78
17. एक-अनेक 79
18. वाक्य रचना व त्योहार 80

Chapter 1

स्वर, व्यंजन, पंचम वर्ण तथा संयुक्त व्यंजन का अभ्यास

अपेक्षित परिणाम | शिक्षण सामग्री | शिक्षण/विद्यार्थी गतिविधियाँ | श्यामपट्ट

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	5, 6, 7

अपेक्षित परिणाम: बच्चों की दुनिया, आओ, पिकनिक चले

पुस्तक का अनुभाग: बच्चों की दुनिया, आओ, पिकनिक चलें?

मूल्यांकन:
- मौखिक अभिव्यक्ति का विकास
- अवलोकन क्षमता का विकास
- भाषा कौशलों का विकास

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(5) 'बच्चों की दुनिया' गतिविधि में बच्चों को निर्देश दें कि वे दिए गए चित्र का मिलान उसकी परछाई से करें। गतिविधि समाप्त होने के उपरांत बच्चों से उनके पसंदीदा कार्टून के बारे में कुछ बातें बताने को कहेंगे।	अध्यापिका द्वारा दिए गए निर्देशों को सुनकर कार्य करेंगे।
(6, 7, 8) 'आओ, पिकनिक चलें' गतिविधि में बच्चों से पिकनिक से जुड़ी बातें करें; जैसे– 1. आप पिकनिक पर कहाँ जाना चाहेंगे? 2. पिकनिक पर जाने से पहले आप क्या-क्या तैयार करेंगे?	अध्यापिका द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे।

गृहकार्य: बच्चों को पुस्तक की पृष्ठ संख्या 8 गृहकार्य में देंगे।

कुल अवधि	3	पृष्ठ संख्या	9 से 11

अपेक्षित परिणाम: स्वरों का अभ्यास, व्यंजनों का अभ्यास

पुस्तक का अनुभाग: बच्चों की दुनिया, आओ, पिकनिक चलें?

मूल्यांकन: अवलोकन द्वारा श्रवण कौशल और स्वरों का मूल्यांकन, अवलोकन द्वारा श्रवण कौशल और व्यंजनों का मूल्यांकन

शिक्षण साामग्री: अ से औ तक स्वरों के फ्लैश कार्ड्स, क से ठ तक बने फ्लैश कार्ड्स, ड से भ तक बने फ्लैश कार्ड्स

<table>
<tr><th>शिक्षक गतिविधियाँ</th><th>विद्यार्थी गतिविधियाँ</th></tr>
<tr><td>(9, 10) एक मेज़ पर सभी फ्लैश कार्डस फैला दें और बारी-बारी से सभी का उच्चारण करते हुए बच्चों को अपने पीछे बोलने को कहें।
इसके उपरांत बच्चों को पृष्ठ संख्या 9 व 10 करने को कहेंगे।</td><td>अध्यापिका द्वारा बोले गए स्वरों को ध्यान से सुनकर उनका उच्चारण करेंगे।</td></tr>
<tr><td>एक दिन गतिविधि के लिए एक दिन लेखन कार्य के लिए
(11) कक्षा में एक गोल घेरा बनाएँ और उस घेरे में 'क' से 'ठ' तक बने फ्लैश कार्ड्स थोड़ी-थोड़ी दूरी पर फैलाएं। अब विद्यार्थियों को घेरे के चारों ओर खड़ा करें और बोलें कि इस घेरे में जो व्यंजन रखे हैं, उनमें से कुछ व्यंजनों को सैर करने बाहर जाना है जिसके लिए उन्हें घेरे से बाहर निकालना होगा। आज हम उन व्यंजनों को घेरे से बाहर निकालेंगे ताकि वह सैर पर जा सकें।
- अब किसी एक बच्चे को कहें कि 'च' व्यंजन को सैर करने जाना है। इसे घेरे से बाहर निकालो। यदि बच्चे को कोई कठिनाई हो तो उसकी सहायता करें।
- यही गतिविधि 'क' से 'ठ' के बीच के अन्य व्यंजनों के साथ भी करवायें।
- गतिविधि समाप्त होने के बाद कुछ बच्चों से सभी व्यंजनों के फ्लैश कार्ड्स को क्रमानुसाार लगवाएं।
- इसके उपरांत बच्चों को पृष्ठ संख्या 11 पर लिखे 'व्यंजनों का अभ्यास' में 'क' से लेकर 'ठ' तक छूटे हुए व्यंजन लिखने को कहें।</td><td>बोले गए व्यंजनों को ध्यान से सुनेंगे और उन व्यंजनों को घेरे से बाहर निकालेंगे, जिन्हें सैर पर जाना है।</td></tr>
<tr><td>डेस्क पर 'ड' से 'भ' तक के फ्लैश कार्ड्स को उलटा करके अनुचित क्रम में रखें। अब कक्षा में से किसी एक बच्चे को अपने पास बुलाएं और बच्चे से डेस्क पर रखे कार्डों में से 'थ' व्यंजन वाला कार्ड खोजने को कहें। इसी प्रकार अन्य व्यंजनों का भी अभ्यास करवाएं।
- गतिविधि समाप्त होने के बाद सभी व्यंजनों के फ्लैश कार्ड्स को सीधा करके मेज़ पर रख दें और बच्चों से उन कार्ड्स को क्रमानुसार लगवाएं।
- इसके उपरांत बच्चों को पृष्ठ संख्या 11 पर लिखे 'व्यंजनों का अभ्यास' में 'ड' से लेकर 'भ' तक छूटे हुए व्यंजन लिखने को कहें।</td><td>अध्यापिका द्वारा बोले गए व्यंजन को ध्यान से सुनेंगे और डेस्क पर रखे कार्डों में से उस व्यंजन वाले कार्ड को खोजेंगे।
कार्ड खोजने के उपरांत कक्षा में उस कार्ड को दिखाएंगे और उसका उच्चारण तेज़ आवाज़ में करेंगे।</td></tr>
<tr><td>'म' से 'श्र' तक के फ्लैश कार्ड एक ढेरी बनाकर मेज़ पर रख दें और 'म' से 'श्र' तक के सभी व्यंजनों को किसी भी क्रम में श्यामपट्ट पर लिख दें।
<table>
<tr><td>म</td><td>ल</td><td>क्ष</td><td>र</td><td>ज्ञ</td></tr>
<tr><td>ष</td><td>व</td><td>त्र</td><td>ह</td><td>स</td></tr>
<tr><td>य</td><td>श</td><td>श्र</td><td></td><td></td></tr>
</table></td><td>- चुने गए व्यंजन पर गोला बनाइए।</td></tr>
</table>

– अब किसी एक बच्चे को बुलाकर श्यामपट्ट से कोई एक व्यंजन चुनने को कहें और बच्चे द्वारा चुने गये वर्ण पर गोला लगा दें और बच्चे से उसी वर्ण का फ्लैश कार्ड ढेरी में से उठाकर कक्षा में दिखाने को कहें। शेष वर्णों के साथ भी यही प्रक्रिया दोहराएं। – इसके उपरांत बच्चों को पृष्ठ संख्या 11 पर लिखे 'व्यंजनों का अभ्यास' में 'म' से लेकर 'श्र' तक लिखने को कहें।	

कुल अवधि 2 **पृष्ठ संख्या** 12

अपेक्षित परिणामः पंचम वर्णों का अभ्यास, संयुक्त व्यंजनों का अभ्यास

पुस्तक का अनुभागः पंचम वर्णों का अभ्यास

मूल्यांकनः
- अवलोकन द्वारा पंचम वर्णों का मूल्यांकन
- अवलोकन द्वारा संयुक्त व्यंजनों का मूल्यांकन

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(12) श्यामपट्ट पर पंचम वर्ण यानि (ङ, ञ, ण, न और म) लिखें और बच्चों को बताएं कि ये वर्ण पंचम वर्ण कहलाते हैं, क्योंकि ये वर्ण अपने-अपने वर्ग में पंचम स्थान पर आते हैं। – पंचम वर्ण की परिभाषा समझाने के उपरांत बच्चों को प्रेरित करें कि वे पृष्ठ संख्या 8 पर दिए गए पंचम वर्णों का लेखन अभ्यास करें।	– समझाए गए पंचम वर्णों को ध्यान से सुनेंगे और पृष्ठ संख्या 12 पर दिए पंचम वर्णों का लेखन अभ्यास करेंगे।
(13) श्यामपट्ट पर बाईं ओर 'क्ष' लिखें और बच्चों से इसे पढ़ने को कहें। – अब बच्चों से 'क्ष' की ध्वनि को ध्यान से सुनने को कहें और उनसे पूछें कि क्या इस ध्वनि के टुकड़े किए जा सकते है। – बच्चों के द्वारा दिये गए उत्तरों से ही जोड़कर उन्हें बताएं कि 'क्ष' वर्ण 'क्' और 'ष' से मिलकर बना है और बोर्ड पर लिखें। क् + ष = क्ष – यही गतिविधि त्र, ज्ञ और श्र के लिए भी दोहराऐं। गतिविधि समाप्त होने के पश्चात् प्रत्येक वर्ण का एक-एक उदाहरण अवश्य दें जैसे– क्ष – क्षण त्र – नक्षत्र ज्ञ – ज्ञानी श्र – श्रमिक – गतिविधि के उपरांत बच्चों को अनुदेश दें कि वे पृष्ठ संख्या 13 पर दिए संयुक्त व्यंजनों की सहायता से बने शब्दों को ध्यान से पढ़ें और उन्हें पुनः लिखें।	समझाए गए उदाहरणों के अनुसार पृष्ठ 13 पर दिए संयुक्त व्यंजनों से बने शब्दों को पढ़कर पुनः लिखेंगे।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	14, 15

अपेक्षित परिणामः दो वर्णों वाले शब्द, तीन व चार वर्णों वाले शब्द, जानने की बारी

पुस्तक का अनुभागः दो वर्णों वाले शब्द

मूल्यांकनः
- अवलोकन द्वारा पठन कौशल का मूल्यांकन
- अवलोकन द्वारा पठन कौशल का मूल्यांकन
- शब्दावली का विकास

शिक्षण साामग्रीः क से श्र तक व्यंजनों के फ्लैश कार्ड

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(14, 15) मेज़ पर फ्लैश कार्ड्स की सहायता से दो अक्षर वाले शब्द बनाकर रखें और बारी-बारी से बच्चों को अपने पास बुलाएं और उन्हें प्रेरित करें कि वे अक्षर जोड़कर शब्द पहचानें और उसका उच्चारण ऊंची आवाज़ में करें। - गतिविधि समाप्त होने के उपरांत बच्चों को पृष्ठ संख्या 14 पर दिए गए शब्दों को पढ़ने से लिए कहिए तथा 'पढ़िए' व 'लिखिए' भाग करने के लिए प्रेरित करें। - उसके उपरांत पृष्ठ संख्या 15 पर दिए गए 'दो शब्दों से बने वाक्य' कक्षा में बच्चों से पढ़वाएं तथा कठिनाई आने पर उनकी मदद करें। इसके पश्चात् बच्चों को 'अभ्यास कार्य' करने के लिए भी प्रेरित करें।	- दोनो कार्ड्स पर आए व्यंजन से बने शब्द का उच्चारण ज़ोर से करेंगे।
दो वर्णों वाले शब्द के लिए की गई गतिविधि को तीन व चार वर्णों के लिए भी दोहराया जाए।	- दिए गए निर्देशानुसार पृष्ठ संख्या 16 से 20 तक करेंगे।
अध्यापिका 'जानने की बारी' भाग के माध्यम से बच्चों की शब्दावली का विकास करें तथा उन्हें 'क' से 'श्र' तक अमात्रिक शब्दों की जानकारी दें।	- अध्यापिका द्वारा दी गई जानकारी को ध्यान से सुनेंगे।

Chapter 2

आ (ा) की मात्रा का ज्ञान

अपेक्षित परिणाम | शिक्षण सामग्री | शिक्षण/विद्यार्थी गतिविधियाँ | श्यामपट्ट

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	22, 23

अपेक्षित परिणाम: 'आ' की मात्रा की पहचान व शब्दों का पठन

पुस्तक का अनुभाग: आ (ा) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकन: - अवलोकन द्वारा 'आ' की मात्रा की पहचान का मूल्यांकन

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(22, 23) 'आ' की मात्रा की पहचान कराने के लिए नीचे लिखी कविता को उचित हाव-भाव, सुर व लय ताल के साथ बच्चों के साथ गाएं– **काला बादल** (कविता में आई सभी 'आ' की मात्राओं को रंगीन करो।) काला काला आया बादल, आसमान पर छाया बादल, राधा आ, माला आ, अपना-अपना छाता ला। बच्चों के साथ कविता गाने के बाद उनसे पूछें: 1. इस कविता में किन-किन चीज़ों के बारे में बात की गई है? - बच्चों के द्वारा दिए उत्तरों को श्यामपट्ट पर लिखें। उत्तर- 1 बादल, माला, छाता - अब बच्चों से पूछें कि इन उत्तरों में कौन-सी आवाज़ सामान है? ('आ' की आवाज़) - उन्हें बताएं कि 'आ' की आवाज़ को लिखने के लिए 'ा' का प्रयोग किया गया है। श्यामपट्ट पर 'आ' की मात्रा बनाकर दिखाएं। - अब 'आ' की मात्रा का फ्लैश कार्ड निकालें और बच्चों को बताएं कि यह 'आ' की मात्रा है।	- बोली गई कविता 'काला बादल' ध्यान से सुनेंगे और कविता से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देंगे। - श्यामपट्ट पर लिखे व्यंजनों को ध्यान से पढ़ेंगे और उन पर 'आ' की मात्रा लगाकर उनका उच्चारण करेंगे। - 'आ' की मात्रा से बनाए गए व्यंजनों को पढ़ना सीखेंगे। - शब्द पढ़कर 'आ' की मात्रा पर गोला बनाएंगे।

- उन्हें बताएं कि 'आ' की आवाज़ को लिखने के लए 'ा' का प्रयोग किया जाता है। श्यामपट्ट पर 'आ' की मात्रा बनाकर दिखाएं।

- अब 'आ' की मात्रा का फ्लैश कार्ड निकालें और बच्चों को बताएं कि यह 'आ' की मात्रा है।

- उन्हें बताएं कि जब हम 'क' व्यंजन पर 'आ' की मात्रा लगाते हैं तो 'का' बनता है। इसी प्रकार कुछ व्यंजनों पर 'आ' की मात्रा लगाकर उसका उच्चारण बच्चों से करवाएं।

- उनसे पूछें कि कितने बच्चे इस मात्रा को लिख सकते हैं। अब, कुछ बच्चों से बोर्ड पर मात्रा लिखवाएं।

- अब कोई भी 5-6 व्यंजन बोर्ड पर लिखें और एक-एक कर बच्चों को बुलाकर किसी एक व्यंजन पर 'आ' की मात्रा लगाकर उसका मात्रा सहित उच्चारण करने को कहें।

- इसी प्रकार कुछ अन्य व्यंजन लिखकर उन पर मात्रा लगाकर बोलने का अभ्यास करवायें।

- गतिविधि के उपरांत पृष्ठ संख्या 22 पर दिए का, गा, पा, मा, खा आदि वर्ण पढ़ने के लिए बच्चों को प्रेरित करें।

- बच्चों को 'आ' की मात्रा वाले व्यंजन से शब्द बनाना सिखाएं। सबसे पहले नीचे दिया आरेख श्यामपट्ट पर बनाएं और बच्चों को 'का' से शुरू होने वाले शब्द बताने के लिए कहें।

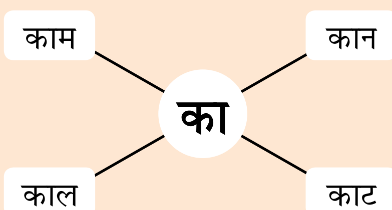

अब बारी-बारी से बच्चों से पृष्ठ संख्या 23 पर दिया 'आ' की मात्रा का शब्दकोश पढ़वाएं।

- बच्चों को प्रेरित करें कि वे पृष्ठ संख्या 23 पर दिया 'क' प्रश्न स्वयं करें।

- अब बच्चों को प्रेरित करें कि वे 'ख' प्रश्न में दिए चित्र पहचानकर उसके सही नाम के सामने बनाएं।

गृहकार्य: - बच्चों को अभ्यास पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 4, 5 व 6 गृहकार्य में दें।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	24, 25

अपेक्षित परिणाम: 'आ' की मात्रा का सही प्रयोग कर शब्दों का पठन व लेखन, 'आ' की मात्रा का सही प्रयोग कर शब्दों का पठन व लेखन

पुस्तक का अनुभाग: आ (ा) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकन: - अवलोकन द्वारा चित्र पहचानकर उनके नामों का मूल्यांकन

- अवलोकन द्वारा बिना मात्रा वाले शब्दों पर मात्रा लगाकर शब्द बनाने का मूल्यांकन

शिक्षण सामग्री: बिना मात्रा वाले शब्दों के फ्लैश कार्ड्स; जैसे- तर, कल, जल, कल आदि।

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(24) श्यामपट्ट पर कुछ वस्तुओं के चित्र बनाकर उनके नाम बिना 'आ' (ा) की मात्रा के लिखें। समझाने के लिए एक उदाहरण करके दिखाया जा सकता है; जैसे– [बाजा का चित्र] ब ज [माला का चित्र] म ल - बच्चों से चित्रों के नाम पूछें और बारी-बारी से एक-एक बच्चे को बुलाएं और कहें कि वे उचित स्थान पर 'आ' की मात्रा लगाएं और चित्र के नाम का उच्चारण करें। - उदाहरण के माध्यम से समझाने के उपरांत बच्चों को 'ग' भाग करने के लिए प्रेरित करें। - बच्चों को प्रेरित करें कि वे 'घ' भाग स्वयं करें। - अध्यापिका श्यामपट्ट पर छाता, घड़ा, माला, तबला, नाव आदि शब्दों के चित्र बनाएं और निम्नलिखित वाक्य लिखें। अब बच्चों से कहें कि वे लिखे हुए वाक्यों को पढ़ें और सोचकर बताएं कि किस वाक्य में कौन-से चित्र का नाम आएगा। 1. आशा .... ला। 2. कमला .... भर। 3. नेहा .... चला। 4. नताशा .... पहन। 5. आकाश .... बजा। - कुछ बच्चों से चित्र का नाम श्यामपट्ट पर लिखे वाक्यों में लिखवाएं। - गतिविधि समाप्त होने के बाद बच्चों को 'ङ' प्रश्न स्वयं करने के लिए प्रेरित करें।	- अधूरे शब्दों पर मात्रा लगाकर शब्द बनाना सीखेंगे।
(25) मेज पर बिना मात्रा वाले शब्दों के फ्लैश कार्ड्स रख दें और बारी-बारी से बच्चों को अपने पास बुलाएं और उन्हें अनुदेश दें कि वे इस शब्द के ' पहले वर्ण पर 'आ' की मात्रा लगाकर बोलें' दूसरे वर्ण पर 'आ' की मात्रा लगाकर बोलें' दोनों वर्णों पर मात्रा लगाकर बोलें।	- फ्लैश कार्ड पर लिखे शब्द में अलग-अलग स्थान पर मात्रा लगाकर नए शब्द बनाएंगे।

– उदाहरण के लिए– मेज पर रखे कार्ड पर 'जल' शब्द लिखा है तो एक बच्चा 'ज' पर 'आ' की मात्रा लगाकर 'जाल' बनाएगा और बोलेगा 'जाल'। उसके बाद दूसरा बच्चा 'ल' पर 'आ' की मात्रा लगाकर 'जला' बनाएगा और बोलेगा 'जला' तथा तीसरा बच्चा दोनों वर्णों पर 'आ' की मात्रा लगाकर 'जाला' बनाएगा और बोलेगा 'जाला'। – इसी प्रकार अन्य शब्दों के साथ भी यह गतिविधि करवाएं। – गतिविधि समाप्त होने के बाद बच्चों को 'च' तथा 'छ' प्रश्न स्वयं करने को कहें।	

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	26, 27

अपेक्षित परिणाम: कविता पढ़कर अभ्यास कार्य करना शरीर के अंगों के नाम पर 'आ' की मात्रा का प्रयोग

पुस्तक का अनुभाग: आ (ा) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकन:
- अवलोकन द्वारा श्रवण कौशल व लेखन कौशल का मूल्यांकन
- अवलोकन द्वारा 'आ' की मात्रा वाले शरीर के अंगों के नामों का मूल्यांकन
- अवलोकन द्वारा श्रवण कौशल व लेखन कौशल का मूल्यांकन
- अवलोकन द्वारा 'आ' की मात्रा वाले शरीर के अंगों के नामों का मूल्यांकन

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(26) – बच्चों से पुस्तक का पृष्ठ 26 खोलने को कहें और उन्हें बताएं कि आप 'पापा आए' कविता पढ़ेंगी और वे उंगली से आपका अनुसरण करेंगे। – अब 'पापा आए' कविता में दिये गए वाक्यों को उचित गति व आरोह अवरोह के साथ पढ़ें। – बच्चों से यही कविता बारी-बारी से जोड़ों में पढ़ने को कहें। जोड़े में पढ़ते समय एक बच्चा पढ़ेगा और दूसरा बच्चा पुस्तक में उंगली से अनुसरण करेगा। – अंत में कुछ बच्चों से इस भाग का स्वतंत्र वाचन करवाएं। – स्वतंत्र वाचन के बाद इस पृष्ठ पर दिए गए प्रश्न 'क' व 'ख' स्वयं करने के लिए बच्चों को प्रेरित करें और उस समय कक्षा में घूम-घूमकर बच्चों का अवलोकन करें।	– बोले गए वाक्यों पर उंगली रखते हुए अनुकरण करेगें। – पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे। – पृष्ठ पर दिए गए प्रश्न का उचित मिलान करेंगे।
(27) – सबसे पहले बच्चों से उनके शरीर के अंगो के नाम पूछें और उसके बाद पृष्ठ संख्या 27 पर दिए शरीर के अंगों के अधूरे नामों पर 'आ' की मात्रा लगाकर उन्हें पूरा करने के लिए प्रेरित करें।	– पूछे गए शरीर के अंगों के नाम बताएंगे और फिर पृष्ठ संख्या 27 पर लिखे अधूरे शरीर के अंगों पर

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	28, 29, 30

अपेक्षित परिणाम: सोचने की बारी (चिंतन कौशल का विकास), बोलने की बारी (वाचन कौशल का विकास), सुनने की बारी (श्रवण कौशल का विकास), जानने की बारी (ज्ञानवर्धक शिक्षा प्राप्त करना)

पुस्तक का अनुभाग: सोचने, बोलने, सुनने व जानने की बारी

मूल्यांकन: चिंतन कौशल, वाचन कौशल, श्रवण कौशल, ज्ञानवर्धक शिक्षा

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(28) – बच्चों को एक उदाहरण देकर समझाएँगे कि किस-किस के मिश्रण से क्या-क्या बनता है; जैसे– ' चाय बनाने के लिए दूध+पानी+चीनी+चायपत्ती = चाय 'खीर बनाने के लिए दूध +चावल+चीनी = खीर – अब बच्चों को प्रेरित करें कि वे 'सोचने की बारी' भाग स्वयं करें।	– दिए गए चित्रों को पहचानकर उनसे बनने वाले व्यंजन से उचित मिलान करेंगे।
– परिवार के सदस्यों के रिश्तों के नामों की जानकारी हेतु दिए गए प्रश्नों के उत्तर पूछेंगे।	– अध्यापिका द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे।
(29, 30) अध्यापिका पृष्ठ संख्या 120 पर लिखे गए वाक्यों का उच्चारण साफ़ व ऊँची आवाज में करेंगी।	बच्चे बोले गए वाक्यों को ध्यानपूर्वक सुनकर अध्यापिका के निर्देशानुसार लता को तैयार करेंगे।
– अध्यापिका बच्चों को 'आ' की मात्रा से बने विभिन्न शब्दों का ज्ञान तालिका के अनुसार देंगी।	– अध्यापिका द्वारा उच्चारण किए गए शब्दों को ध्यान से सुनेंगे।

उत्तरमाला

क. जाला, तारा, मकान, झालर, बाजा, पाठमाला,

ख. 1. अनार 2. छाता 3. कार 4. बाजा

ग. 1. बाजा 2. माला 3. गाजर 4. पालक
5. चावल 6. बादल 7. टमाटर 8. आसमान
9. तलवार

घ. 1. गाजर 2. कान 3. तारा 4. छाता
5. बाजा 6. अनार 7. मटका 8. टमाटर

ङ. 1. तबला 2. गमला 3. टमाटर

च. 1. जल जाल जला जाला 2. हर हार हरा हारा
3. बल बाल बला बाला 4. चर चार चरा चारा
5. तल ताल तला ताला

छ. 1. बाल, बादल, बालक 2. गाल, गाना, गाजर

पापा आए (अभ्यास कार्य)

क. 1. लाल-लाल अनार पापा लाए। 2. चाचा हरा आम लाए।
3. मामा चार कार लाए। 4. छाता माया के लिए आया।

ख. 1. लाल-ला ल — अनार
2. हरा-हरा — आम
3. चार-चार — कार

करने की बारी

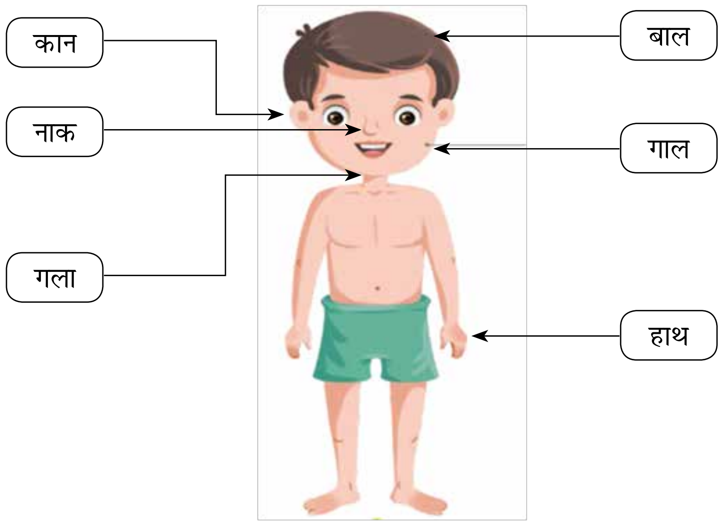

सोचने की बारी

बोलने की बारी

इस प्रश्न का उत्तर भिन्न हो सकता है।

सुनने की बारी

बच्चे स्वयं करेंगे।

Chapter
3

इ (ि) की मात्रा का ज्ञान

अपेक्षित परिणाम | शिक्षण सामग्री | शिक्षण/विद्यार्थी गतिविधियाँ | श्यामपट्ट

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	33, 34

अपेक्षित परिणाम: 'इ' (ि) की मात्रा की पहचान व शब्दों का पठन

पुस्तक का अनुभाग: इ (ि) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकन: – अवलोकन द्वारा 'इ' की मात्रा की पहचान का मूल्यांकन

शिक्षण सामग्री: इ (ि) की मात्रा का फ्लैश कार्ड

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(33, 34) 'इ' (ि) की मात्रा की पहचान कराने के लिए नीचे लिखी कविता को उचित हाव-भाव, सुर व लय ताल के साथ बच्चों के साथ गाएं– **चिड़िया रानी** (कविता में आई सभी 'इ' की मात्राओं को रंगीन करो।) निकल गया दिन आई चिड़िया, दाना चुग-चुग लाई चिड़िया, दाना खाकर तिनका लाई, तिनका खाकर वह शरमाई। बच्चों के साथ कविता गाने के बाद उनसे पूछें: 1. दिन निकलने पर कौन आया? 2. दाना खाकर चिड़िया क्या लाई? उत्तर 1 चिड़िया उत्तर 2 तिनका – अब बच्चों से पूछें कि इन उत्तरों में कौन-सी आवाज़ सामान है? ('इ' की आवाज़) – उन्हें बताएं कि 'इ' की आवाज़ को लिखने के लिए ' ि ' का प्रयोग किया गया	– बोली गई कविता 'चिड़िया रानी' ध्यान से सुनेंगे और कविता से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देंगे। – श्यामपट्ट पर लिखे व्यंजनों को ध्यान से पढ़ेंगे और उन पर 'इ' की मात्रा लगाकर उनका उच्चारण करेंगे। – अमात्रिक शब्दों पर 'इ' (ि) की मात्रा लगाकर पढेंगे।

है। श्यामपट्ट पर ‘इ’ की मात्रा बनाकर दिखाएं।

– उन्हें बताएं कि ‘इ’ की आवाज को लिखने के लिए ‘ ि ’ का प्रयोग किया जाता है। श्यामपट्ट पर ‘इ’ की मात्रा बनाकर दिखाएं।

– अब ‘इ’ की मात्रा का फ्लैश कार्ड निकालें और बच्चों को यह बताएं कि यह ‘इ’ की मात्रा है।

– उन्हें बताएं कि जब हम ‘द’ व्यंजन पर ‘इ’ की मात्रा लगाते हैं तो ‘दि’ बनता है। इसी प्रकार कुछ अन्य व्यंजनों पर ‘इ’ की मात्रा लगाकर उसका उच्चारण बच्चों से करवाएं।

– उनसे पूछें कितने बच्चे इस मात्रा को लिख सकते हैं। कुछ बच्चों से बोर्ड पर मात्रा लिखवाएं।

– अब कोई भी 5-6 व्यंजन बोर्ड पर लिखें और एक-एक बच्चे को बुलाकर किसी एक व्यंजन पर ‘इ’ की मात्रा लगाकर उसका मात्रा सहित उच्चारण करने को कहें।

– इसी प्रकार कुछ अन्य व्यंजन लिखकर उन पर मात्रा लगाकर बोलने का अभ्यास करवायें।

– गतिविधि के उपरांत पृष्ठ संख्या 33 पर दिए कि, नि, सि, जि, ति आदि वर्ण पढ़ने के लिए बच्चों को प्रेरित करें।

– बच्चों को ‘इ’ की मात्रा वाले व्यंजन से शब्द बनाना सिखाएं। सबसे पहले नीचे दिया आरेख श्यामपट्ट पर बनाएं और बच्चों को ‘दि’ से शुरू होने वाले शब्द बताने के लिए कहें। बच्चों द्वारा बताएं ‘दि’ से शुरू होने वाले शब्दों को इस प्रकार लिख दें।

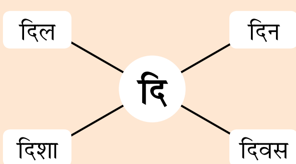

अब बारी-बारी से बच्चों से पृष्ठ संख्या 34 पर दिया शब्दकोश पढ़वाएं।

– प्रश्न ‘क’ में अमात्रिक शब्दों पर ‘इ’ (ि) की मात्रा लगाकर पढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे।

– ‘ख’ प्रश्न बच्चे स्वयं करेंगे।

– उन्हें बताएं कि 'आ' की आवाज़ को लिखने के लए 'ा' का प्रयोग किया जाता है। श्यामपट्ट पर 'आ' की मात्रा बनाकर दिखाएं।

– अब 'आ' की मात्रा का फ्लैश कार्ड निकालें और बच्चों को बताएं कि यह 'आ' की मात्रा है।

– उन्हें बताएं कि जब हम 'क' व्यंजन पर 'आ' की मात्रा लगाते हैं तो 'का' बनता है। इसी प्रकार कुछ व्यंजनों पर 'आ' की मात्रा लगाकर उसका उच्चारण बच्चों से करवाएं।

– उनसे पूछें कि कितने बच्चे इस मात्रा को लिख सकते हैं। अब, कुछ बच्चों से बोर्ड पर मात्रा लिखवाएं।

– अब कोई भी 5-6 व्यंजन बोर्ड पर लिखें और एक-एक कर बच्चों को बुलाकर किसी एक व्यंजन पर 'आ' की मात्रा लगाकर उसका मात्रा सहित उच्चारण करने को कहें।

– इसी प्रकार कुछ अन्य व्यंजन लिखकर उन पर मात्रा लगाकर बोलने का अभ्यास करवायें।

– गतिविधि के उपरांत पृष्ठ संख्या 22 पर दिए का, गा, पा, मा, खा आदि वर्ण पढ़ने के लिए बच्चों को प्रेरित करें।

– बच्चों को 'आ' की मात्रा वाले व्यंजन से शब्द बनाना सिखाएं। सबसे पहले नीचे दिया आरेख श्यामपट्ट पर बनाएं और बच्चों को 'का' से शुरू होने वाले शब्द बताने के लिए कहें।

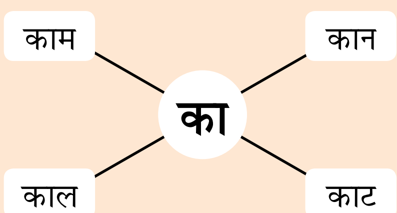

अब बारी-बारी से बच्चों से पृष्ठ संख्या 23 पर दिया 'आ' की मात्रा का शब्दकोश पढ़वाएं।

– बच्चों को प्रेरित करें कि वे पृष्ठ संख्या 23 पर दिया 'क' प्रश्न स्वयं करें।

– अब बच्चों को प्रेरित करें कि वे 'ख' प्रश्न में दिए चित्र पहचानकर उसके सही नाम के सामने बनाएं।

गृहकार्य: – बच्चों को अभ्यास पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 7, 8 व 9 गृहकार्य में दे

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	35, 36

अपेक्षित परिणाम: चित्र पहचानकर उनके नाम पर वर्ग-पहेली में गोला बनाएंगे। समान लय वाले शब्दों का ज्ञान

पुस्तक का अनुभाग: इ (ि) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकन:
- अवलोकन द्वारा वर्ग-पहेली सुलझाना
- अवलोकन द्वारा चित्र पहचानकर उनके नामों का मूल्यांकन
- अवलोकन द्वारा समान लय वाले शब्दों का मूल्यांकन
- अवलोकन द्वारा वर्ग-पहेली सुलझाना
- अवलोकन द्वारा चित्र पहचानकर उनके नामों का मूल्यांकन
- अवलोकन द्वारा समान लय वाले शब्दों का मूल्यांकन

शिक्षण सामग्री: 'इ' (ि) की मात्रा से बने शब्दों की पर्चियाँ

<table>
<tr><th>शिक्षक गतिविधियाँ</th><th>विद्यार्थी गतिविधियाँ</th></tr>
<tr><td>(35) श्यामपट्ट पर एक वर्ग-पहेली और उसके आसपास चित्र बनाएंगे।
<table>
<tr><td>किला का चित्र</td><td><table><tr><td>कि</td><td>ला</td><td>हि</td></tr><tr><td>बि</td><td>दि</td><td>र</td></tr><tr><td>ल</td><td>ल</td><td>न</td></tr></table></td><td>हिरन का चित्र</td></tr>
<tr><td>दिल का चित्र</td><td></td><td>बिल का चित्र</td></tr>
</table>
- अब बारी-बारी से बच्चों को अपने पास बुलाएंगे और उन्हें प्रेरित करेंगे कि वे वर्ग-पहेली में दिए गए चित्रों के नाम ढूँढ़कर उन पर गोला बनाएंगे।
- गतिविधि समाप्त होने के बाद बच्चों से कहेंगे कि वे 'ग' व 'घ' प्रश्न स्वयं करें।</td>
<td>- वर्ग-पहेली में से दिए गए चित्रों के नाम ढूँढ़कर उन पर गोला बनाएंगे।
- चित्र पहचानकर अधूरे नामों को उचित अक्षर द्वारा पूरा करेंगे।</td></tr>
<tr><td>(36) मेज पर 'इ' (ि) की मात्रा से बने शब्दों की पर्चियाँ बनाकर एक डिब्बे में डाल दें। अब बारी-बारी से बच्चों को अपने पास बुलाएं और उन्हें बोलें कि वे डिब्बे में से एक पर्ची उठाएं और उस पर लिखे शब्द का ऊँची आवाज में उच्चारण करें फिर उसी शब्द का समान लय वाला शब्द बोलें। एक उदाहरण करके दिखाया जा सकता है।
- गतिविधि समाप्त होने के उपरांत बच्चों से कहें कि वे प्रश्न 'ङ' स्वयं करें।</td>
<td>- पर्ची पर लिखे शब्द को पढ़कर उसका समान लय वाला शब्द बोलेंगे।</td></tr>
</table>

गृहकार्य: प्रश्न 'च' व 'छ' करेंगे।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	37

अपेक्षित परिणामः पाठ पढ़कर अभ्यास कार्य करना

पुस्तक का अनुभागः इ (ि) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकनः – अवलोकन द्वारा श्रवण कौशल व लेखन कौशल का मूल्यांकन

शिक्षण सामग्रीः 'इ' (ि) की मात्रा से बने शब्दों की पर्चियाँ

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(37) – बच्चों से पुस्तक का पृष्ठ 37 खोलने को कहें और उन्हें बताएं कि आप 'दिन निकल आया' पाठ पढ़ेंगी और वे उंगली से आपका अनुसरण करेंगे। – अब 'दिन निकल आया' पाठ में दिये गए वाक्यों को उचित गति व आरोह अवरोह के साथ पढ़ें। – बच्चों से यही पाठ बारी-बारी से जोड़ों में पढ़ने को कहें। जोड़े में पढ़ते समय एक बच्चा पढ़ेगा और दूसरा बच्चा पुस्तक में उंगली से अनुसरण करेगा। – अंत में कुछ बच्चों से इस भाग का स्वतंत्र वाचन करवाएं। – स्वतंत्र वाचन के बाद इस पृष्ठ पर दिए गए प्रश्न 'क' व 'ख' स्वयं करने के लिए बच्चों को प्रेरित करें और उस समय कक्षा में घूम-घूमकर बच्चों का अवलोकन करें।	– बोले गए वाक्यों पर उंगली रखते हुए अनुकरण करेगें। – पृष्ठ पर दिए गए प्रश्न का उचित मिलान करेंगे। – उचित शब्द द्वारा खाली स्थान भरेंगे।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	38

अपेक्षित परिणामः करने की बारी (चित्र निर्माण), सोचने की बारी (चिंतन कौशल का विकास), बोलने की बारी (वाचन कौशल का विकास), सुनने की बारी (श्रवण कौशल का विकास), जानने की बारी (ज्ञानवर्धक शिक्षा प्राप्त करना)

पुस्तक का अनुभागः इ (ि) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकनः चित्र निर्माण, चिंतन कौशल, वाचन कौशल, श्रवण कौशल, ज्ञानवर्धक शिक्षा

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(38) – बच्चों को आदेश दें कि वे दी गई डलिया में अपने पसंदीदा फल बनाकर उनमें सुंदर चित्र भरें। – बच्चों से पूछेंगे कि क्या वे जानते हैं कि जिस घर में वे रहते हैं उसे बनाने के लिए किस-किस सामान की आवश्यकता होती है। – बच्चों से जानें कि जिस घर में वे रहते हैं यदि कोई उसे तोड़ दे, तो उन्हें कैसा महसूस होगा? इसी प्रकार जब कोई पक्षियों के घोंसले तोड़ देता है, तो वे कितना दुखी हो जाते होंगे।	– फलों के चित्र बनाकर उनमें रंग भरेंगे। – पूछे गए प्रश्नों के सोच-समझकर उत्तर देंगे। – अध्यापिका द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे।

– बच्चों से हमारे सहायक विषय पर चर्चा करें उसके उपरांत इस भाग में पूछे गए प्रश्न पर वार्तालाप करें। (39) अध्यापिका पृष्ठ संख्या 120 पर लिखे गए वाक्यों का उच्चारण साफ़ व ऊँची आवाज में करेंगी। – अध्यापिका बच्चों को 'इ' की मात्रा से बने विभिन्न शब्दों का ज्ञान तालिका के अनुसार देंगी।	बच्चे बोले गए वाक्यों को ध्यानपूर्वक सुनकर अध्यापिका के निर्देशानुसार कार्य करेंगे। – अध्यापिका द्वारा उच्चारण किए गए शब्दों को ध्यान से सुनेंगे।

उत्तरमाला

ख.

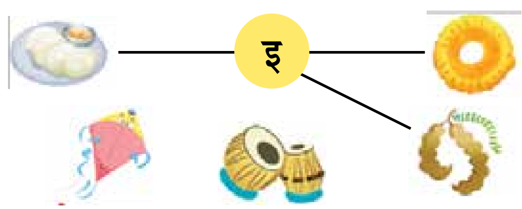

ग.

चि	ष	चि	रा	ग
त	ना	रि	य	ल
ब	चि	प	प	त
गि	म	हि	टि	कि
लि	टा	या	नि	या

घ. 1. किसान, किताब 2. गिलास, गिटार

ङ. 1. दिन 2. कवि 3. सविता 4. विधि 5. दिया 6. गिटार

च.

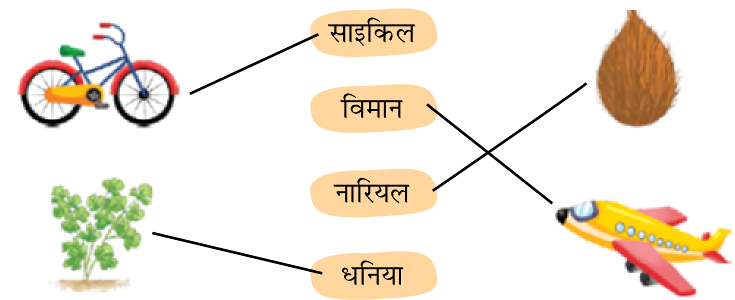

छ. 1. टिकट 2. बारिश 3. हिरन

दिन निकल आया (अभ्यास कार्य)

क. 1. दिन 2. घास व तिनका 3. चिड़िया का

ख. 1. बगिया 2. घर 3. नाच

पृष्ठ संख्या 38 व 39 पर दिए गए प्रश्न बच्चे स्वयं करेंगे।

Chapter
4

ई (ी) की मात्रा का ज्ञान

अपेक्षित परिणाम | शिक्षण सामग्री | शिक्षण/विद्यार्थी गतिविधियाँ | श्यामपट्ट

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	43, 44

अपेक्षित परिणाम: 'ई' (ी) की मात्रा की पहचान व शब्दों का पठन

पुस्तक का अनुभाग: ई (ी) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकन: – अवलोकन द्वारा 'ई' की मात्रा की पहचान का मूल्यांकन

शिक्षण सामग्री: ई (ी) की मात्रा का फ्लैश कार्ड

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(43, 44) 'ई' (ी) की मात्रा की पहचान कराने के लिए नीचे लिखी कविता को उचित हाव-भाव, सुर व लय ताल के साथ बच्चों के साथ गाएं– **राजा और रानी** (कविता में आई सभी 'ई' की मात्राओं को रंगीन करो।) एक था राजा, एक थी रानी, दादी की थी यही कहानी, राजा की थी पगड़ी नीली, रानी की थी साड़ी पीली, मीठा गीत सुनाती रानी, सबका दिल बहलाती रानी। – बच्चों के साथ कविता गाने के बाद उनसे पूछें: 1. राजा की पगड़ी किस रंग की थी? 2. गीत गाकर सबका दिल कौन बहलाता था? – बच्चों के द्वारा दिए उत्तरों को श्यामपट्ट पर लिखें। उत्तर 1 नीली उत्तर 2 रानी	– बोली गई कविता 'चिड़िया रानी' ध्यान से सुनेंगे और कविता से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देंगे। – श्यामपट्ट पर लिखे व्यंजनों को ध्यान से पढ़ेंगे और उन पर 'इ' की मात्रा लगाकर उनका उच्चारण करेंगे। – अमात्रिक शब्दों पर 'इ' (ि) की मात्रा लगाकर पढ़ेंगे।

- अब बच्चों से पूछें कि इन उत्तरों में कौन-सी आवाज समान है? ('ई' की आवाज)

- उन्हें बताएं कि 'ई' की आवाज को लिखने के लिए ' ी ' का प्रयोग किया जाता है। श्यामपट्ट पर 'ई' की मात्रा बनाकर दिखाएं।

- अब 'ई' की मात्रा का फ्लैश कार्ड निकालें और बच्चों को यह बताएं कि यह 'ई' की मात्रा है।

- उन्हें बताएं कि जब हम 'क' व्यंजन पर 'ई' की मात्रा लगाते हैं तो 'की' बनता है। इसी प्रकार कुछ अन्य व्यंनों पर 'ई' की मात्रा लगाकर उसका उच्चारण बच्चों से करवाएं।

- उनसे पूछें कितने बच्चे इस मात्रा को लिख सकते हैं। कुछ बच्चों से बोर्ड पर मात्रा लिखवाएं।

- अब कोई भी 5-6 व्यजंन बोर्ड पर लिखें और एक-एक बच्चे को बुलाकर किसी एक व्यंजन पर 'ई' की मात्रा लगाकर उसका मात्रा सहित उच्चारण करने को कहें।

- इसी प्रकार कुछ अन्य व्यंजन लिखकर उन पर मात्रा लगाकर बोलने का अभ्यास करवायें।

- गतिविधि के उपरांत पृष्ठ संख्या 43 पर दिए की, नी, सी, थी, दी आदि वर्ण पढ़ने के लिए बच्चों को प्रेरित करें।

- बच्चों को 'ई' की मात्रा वाले व्यंजन से शब्द बनाना सिखाएं। सबसे पहले नीचे दिया आरेख श्यामपट्ट पर बनाएं और बच्चों को 'म' से शुरू होने वाले शब्द बताने के लिए कहें। बच्चों द्वारा बताएं 'मी' से शुरू होने वाले शब्दों को इस प्रकार लिख दें।

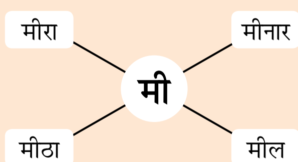

अब बारी-बारी से बच्चों से पृष्ठ संख्या 44 पर दिया शब्दकोश पढ़वाएं।

- प्रश्न 'क' में छोटी 'इ' की मात्रा वाले शब्दों पर बड़ी 'ई' की मात्रा लगाकर नए शब्द बनाना सिखाएं।

- अक्षर व मात्रा जोड़ते हुए शब्द लिखकर बच्चे 'ख' प्रश्न स्वयं करेंगे।

गृहकार्य: - बच्चों को अभ्यास पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 10, 11 व 12 गृहकार्य में दें।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	45, 46

अपेक्षित परिणामः चित्र देखकर उसका नाम लिखेंगे

पुस्तक का अनुभागः ई (ी) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकनः
- अवलोकन द्वारा खाली स्थान भरना तथा चित्र पहचानकर उनका नाम लिखना
- अवलोकन द्वारा उचित शब्द चुनाव का मूल्यांकन
- अवलोकन द्वारा अधूरे शब्दों पर 'ई' की मात्रा लगाकर अपने परिजनों के साथ अपने रिश्तों का मूल्यांकन

शिक्षण सामग्रीः ई (ी) की मात्रा से बने चित्रों के फ्लैश कार्ड्स

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(45) - अध्यापिका बच्चों को 'ई' (ी) की मात्रा से बने चित्रों के फ्लैश कार्ड्स दिखाएंगी और बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए उन चित्रों के नाम का उच्चारण करने के लिए बच्चों से कहेंगी। - बच्चों का ध्यान आकर्षित करने हेतु बच्चों को सराहें और उनके लिए तालियाँ बजवाएं। - गतिविधि समाप्त होने के उपरांत बच्चों को प्रेरित करें कि वे 'ग' प्रश्न स्वयं करें।	- फ्लैश कार्ड्स पर बने चित्रों को पहचानकर उनके नाम बोलेंगे
(46) अध्यापिका बच्चों से कुछ प्रश्न पूछें जैसे- 1. कौन-कौन बच्चे अपनी दादी से कहानियाँ सुनते हैं? 2. वो बच्चे कौन-कौन से हैं, जिनकी बड़ी दीदी भी है? 3. हर रविवार को अपनी नानी के घर कौन-कौन जाता है? 4. किसकी चाची गरम-गरम पकौड़े बनाकर खिलाती हैं? - जब बच्चों से ये प्रश्न पूछें तो प्रश्नों में आने वाले नाम; जैसे- दादी, मामी, चाची, दीदी, नानी आदि श्यामपट्ट पर लिखते रहें और अंत में बच्चों से पूछें कि इन शब्दों में एक समान आवाज आ रही है। वह आवाज कौन-सी है।	- शब्द पढ़कर उन्हें उचित स्थान पर लिखेंगे
- बच्चो के उत्तर जानने के बाद उन्हें अनुदेश दें कि वे प्रश्न 'च' मे लिखे अधूरे शब्दों में 'ई' की मात्रा लगाकर शब्द पुनः लिखें और प्रत्येक नाम से संबंधित चित्र भी बनाएं। - गतिविधि समाप्त होने के उपरांत बच्चों से कहें कि वे प्रश्न 'ङ' भाग भी स्वयं करें।	- अध्यापिका द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे और अधूरे शब्दों पर 'ई' की मात्रा लगाकर चित्र बनाएंगे

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	47, 48

अपेक्षित परिणाम: कविता पढ़कर अभ्यास कार्य करना

पुस्तक का अनुभाग: ई (ी) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकन: – अवलोकन द्वारा श्रवण कौशल व लेखन कौशल का मूल्यांकन

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(47, 48) – बच्चों से पुस्तक का पृष्ठ 47 खोलने को कहें और उन्हें बताएं कि आप 'इठलाती मछली' कविता पढ़ेंगी और वे उंगली से आपका अनुसरण करेंगे। – अब 'इठलाती मछली' कविता में दिये गए वाक्यों को उचित गति व आरोह अवरोह के साथ पढ़ें। – बच्चों से यही कविता बारी-बारी से जोड़ों में पढ़ने को कहें। जोड़े में पढ़ते समय एक बच्चा पढ़ेगा और दूसरा बच्चा पुस्तक में उंगली से अनुसरण करेगा। – अंत में कुछ बच्चों से इस भाग का स्वतंत्र वाचन करवाएं। – स्वतंत्र वाचन के बाद इस पृष्ठ पर दिया गया प्रश्न 'क' ज्ञवयं करने के लिए बच्चों को प्रेरित करें और उस समय कक्षा में घूम-घूमकर बच्चों का अवलोकन करें।	– बोले गए वाक्यों पर उंगली रखते हुए अनुकरण करेगें। – उचित शब्द द्वारा खाली स्थान भरकर पंक्ति पूरी करेंगे।

गृहकार्य: प्रश्न 'ख' व 'ग' गृहकार्य में करेंगे।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	49, 50, 51

अपेक्षित परिणाम: करने की बारी (रचनात्मक कार्य), सोचने की बारी (चिंतन कौशल का विकास), बोलने की बारी (वाचन कौशल का विकास), सुनने की बारी (श्रवण कौशल का विकास), जानने की बारी (ज्ञानवर्धक शिक्षा प्राप्त करना)

पुस्तक का अनुभाग: करने, सोचने, बोलने, सुनने व जानने की बारी

मूल्यांकन: रचनात्मक कार्य, चिंतन कौशल, वाचन कौशल, श्रवण कौशल, ज्ञानवर्धक शिक्षा

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(49) – बच्चों से पुस्तक में दिए गए क्रम के अनुसार 'कागज की मछली' बनवाएंगे और उसे रंग-बिंदियों से सजवाएंगे।	– कागज की मछली बनाएंगे।
(50) – कुछ जानवरों के नाम लेकर बच्चों से उनके घर के विषय पर चर्चा करेंगे। यदि बच्चे उत्तर देने में असमर्थ हों, तो उनका उचित मार्गदर्शन करें। उसके उपरांत बच्चों से 'सोचने की बारी' भाग करवाएं।	– पूछे गए प्रश्नों के सोच-समझकर उत्तर देंगे।

– बच्चों से तालाब, नदी, समुद्र, झरनों आदि के पानी के विषय पर बातचीत करेंगे – बच्चों से 'पानी के महत्व' तथा 'हमारे दैनिक जीवन में प्रयोग होने वाली आवश्यक चीजों' के विषय पर चर्चा करेंगे। (51) अध्यापिका पृष्ठ संख्या 120 पर लिखे गए वाक्यों का उच्चारण साफ़ व ऊँची आवाज में करेंगी। – अध्यापिका बच्चों को 'ई' की मात्रा से बने विभिन्न शब्दों का ज्ञान तालिका के अनुसार देंगी।	– अध्यापिका द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे। बच्चे बोले गए वाक्यों को ध्यानपूर्वक सुनकर अध्यापिका के निर्देशानुसार कार्य करेंगे। – अध्यापिका द्वारा उच्चारण किए गए शब्दों को ध्यान से सुनेंगे।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	55, 56, 57

अपेक्षित परिणाम: 'आ' से 'ई' तक की मात्राओं का पुनरभ्यास

मूल्यांकन: – अवलोकन द्वारा पठन कौशल व लेखन कौशल का मूल्यांकन

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(55, 56, 57) – बच्चों से पुस्तक का पृष्ठ 55 खोलने को कहें और उन्हें बताएं कि आप 'कहानी की किताब' पाठ पढ़ेंगी और वे उंगली से आपका अनुसरण करेंगे। – अब 'कहानी की किताब' में दिये गए वाक्यों को उचित गति व आरोह अवरोह के साथ पढ़ें। – बच्चों से यही भाग बारी-बारी से जोड़ों में पढ़ने को कहें। जोड़े में पढ़ते समय एक बच्चा पढ़ेगा और दूसरा बच्चा पुस्तक में उंगली से अनुसरण करेगा। – अंत में कुछ बच्चों से इस भाग का स्वतंत्र वाचन करवाएं। – स्वतंत्र वाचन के बाद इस पृष्ठ पर दिए गए प्रश्नों को स्वयं करने के लिए बच्चों को प्रेरित करें और उस समय कक्षा में घूम-घूमकर बच्चों का अवलोकन करें।	– बोले गए वाक्यों पर उंगली रखते हुए अनुकरण करेंगे।

गृहकार्य: – बच्चों को अभ्यास पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 13, 14 व 15 गृहकार्य में दें।

उत्तरमाला

क. 1. खील 2. बीन 3. दीन 4. मील 5. सील 6. दीया

ख. 1. लीची 2. गठरी 3. शरीर 4. असली

ग. 1. कील, लकड़ी 2. बकरी, दीपक

घ. ि – सियार, चिमटा, विशाल, विमान ी – कहानी, खीरा, सरदी, धरती

ङ. कीवी, पपीता, लीची, नाशपाती

च. दादी, चाची, मामी, नानी

इठलाती मछली (अभ्यास कार्य)

क. मछली रानी–मछली रानी,
हरदम पीती रहती पानी।
बाहर जाती, भीतर आती,
तट तक वह कभी न आती।

ख. 1. पानी 2. तट 3. मीठा

ग. 1. चाबी 2. घड़ी 3. मछली 4. मकड़ी 5. बकरी 6. लीची

पृष्ठ संख्या 49, 50 व 51 पर दिए गए प्रश्न बच्चे स्वयं करेंगे।

कहानी की किताब (अभ्यास कार्य)

क. 1. निशा 2. शिमला 3. चिड़िया की 4. सयानी चिड़िया

ख. 1. चाल चिड़िया चील 2. दाल दिन दीवार
3. माला मिलावट मीनार 4. कान किला कीड़ा

ग. गोले वाले शब्द – कान, बाल, पान, बात, जाला, नाक, माला
रेखांकित शब्द – सिर, दिखा, दिल, जिला, किसान

घ.

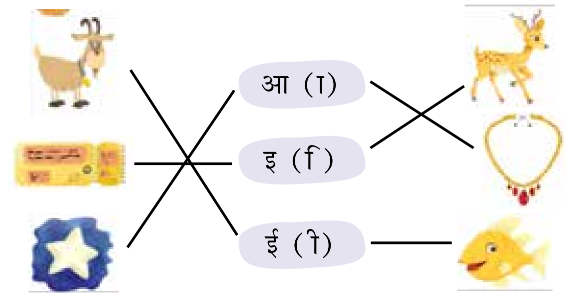

Chapter 5

उ (ु) की मात्रा का ज्ञान

अपेक्षित परिणाम | शिक्षण सामग्री | शिक्षण/विद्यार्थी गतिविधियाँ | श्यामपट्ट

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	58, 59

अपेक्षित परिणाम: 'उ' (ु) की मात्रा की पहचान व शब्दों का पठन

पुस्तक का अनुभाग: उ (ु) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकन: – अवलोकन द्वारा 'उ' की मात्रा की पहचान का मूल्यांकन

शिक्षण सामग्री: उ (ु) की मात्रा का फ्लैश कार्ड

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(58, 59) 'उ' (ु) की मात्रा की पहचान कराने के लिए नीचे लिखी कविता को उचित हाव-भाव, सुर व लय ताल के साथ बच्चों के साथ गाएं– **बुलबुल** (कविता में आई सभी 'उ' की मात्राओं को रंगीन करो।) निकल गया दिन आई बुलबुल, मधुर गीत सुनाती बुलबुल, फुदक-फुदक कर नाच दिखाती, दाना चुगकर फुर उड़ जाती। बच्चों के साथ कविता गाने के बाद उनसे पूछें: 1. दिन निकलने पर कौन आया? 2. बुलबुल अपना नाच कैसे दिखाती है? 3. दाना चुगकर बुलबुल कैसे उड़ जाती है? – बच्चों के द्वारा दिए उत्तर को श्यामपट्ट पर लिखें। उत्तर 1 बुलबुल उत्तर 2 फुदक-फुदक कर	– बोली गई कविता 'बुलबुल' ध्यान से सुनेंगे और कविता से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देंगे। – श्यामपट्ट पर लिखे व्यंजनों को ध्यान से पढ़ेंगे और उन पर 'उ' की मात्रा लगाकर उनका उच्चारण करेंगे। – 'उ' (ु) की मात्रा लगाकर नए शब्द बनाना सीखेंगे। – अक्षर व मात्रा जोड़कर शब्द बनाएंगे

उत्तर 3 फुर से

- अब बच्चों से पूछें कि इन उत्तरों में कौन-सी आवाज समान है? ('उ' की आवाज)

उन्हें बताएं कि 'उ' की आवाज़ को लिखने के लिए ' ु ' का प्रयोग किया जाता है। श्यामपट्ट पर 'उ' की मात्रा बनाकर दिखाएं।

- अब 'उ' की मात्रा का फ्लैश कार्ड निकालें और बच्चों को यह बताएं कि यह 'उ' की मात्रा है।

- उन्हें बताएं कि जब हम 'क' व्यंजन पर 'उ' की मात्रा लगाते हैं तो 'कु' बनता है। इसी प्रकार कुछ अन्य व्यंनों पर 'उ' की मात्रा लगाकर उसका उच्चारण बच्चों से करवाएं।

- उनसे पूछें कितने बच्चे इस मात्रा को लिख सकते हैं। कुछ बच्चों से बोर्ड पर मात्रा लिखवाएं।

- अब कोई भी 5-6 व्यंजन बोर्ड पर लिखें और एक-एक बच्चे को बुलाकर किसी एक व्यंजन पर 'उ' की मात्रा लगाकर उसका मात्रा सहित उच्चारण करने को कहें।

- इसी प्रकार कुछ अन्य व्यंजन लिखकर उन पर मात्रा लगाकर बोलने का अभ्यास करवायें।

- गतिविधि के उपरांत पृष्ठ संख्या 58 पर दिए सु, नु, पु, लु, खु आदि वर्ण पढ़ने के लिए बच्चों को प्रेरित करें।

- बच्चों को 'उ की मात्रा वाले व्यंजन से शब्द बनाना सिखाएं। सबसे पहले नीचे दिया आरेख श्यामपट्ट पर बनाएं और बच्चों को 'कु' से शुरू होने वाले शब्द बताने के लिए कहें।

बच्चों द्वारा बताएं 'कु' से शुरू होने वाले शब्दों को इस प्रकार लिख दें।

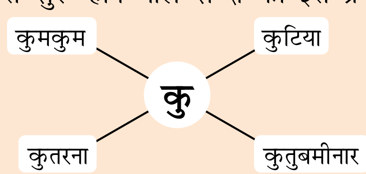

अब बारी-बारी से बच्चों से पृष्ठ संख्या 59 पर दिया शब्दकोश पढ़वाएं।

गतिविधि समाप्त होने के उपरांत बच्चों से कहें कि वे 'क' भाग में दिए गए चित्र पहचानकर उनके सही नाम के सामने सही का निशान लगाएं।

- चित्र पहचानकर उसके सही नाम के सामने सही का निशान लगाएंगे।

गृहकार्यः - बच्चों को अभ्यास पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 16, 17 व 18 गृहकार्य में दें।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	60, 61, 62, 63

अपेक्षित परिणाम: उचित मिलान करना, र व्यंजन में उ (ु) की मात्रा का प्रयोग करना

पुस्तक का अनुभाग: उ (ु) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकन: – अवलोकन द्वारा चित्र पहचानकर उनका नाम लिखना अवलोकन द्वारा चित्र पहचानकर उनके नामों का मूल्यांकन
– अवलोकन द्वारा अधूरे शब्दों पर 'उ' की मात्रा लगाकर शब्दों का मूल्यांकन
अवलोकन द्वारा अक्षर व मात्रा जोड़कर शब्दों का मूल्यांकन
अवलोकन द्वारा 'र' में 'उ' (ु) की मात्रा का मूल्यांकन

शिक्षण सामग्री: उ (ु) की मात्रा का फ्लैश कार्ड

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(60, 61, 62) – अध्यापिका बच्चों को निर्देश दें कि वे 'ख' प्रश्न में दिए चित्रों को ध्यान से देखें और उनके नाम से चित्रों का उचित मिलान करें।	– अध्यापिका द्वारा दिए निर्देश सुनकर कार्य करेंगे।
श्यामपट्ट पर कुछ वस्तुओं के चित्र बनाकर उनके नाम बिना ' ु ' की मात्रा के लिखें। समझाने के लिए एक एक उदाहरण करके दिखाएं। धनष करसी जराब	– शब्द पढ़कर उन्हें उचित स्थान पर लिखेंगे
– बच्चों से चित्रों के नाम पूछें और बारी-बारी से एक-एक बच्चे को बुलाएं और कहें कि वे उचित स्थान पर 'उ' की मात्रा लगायें और चित्र के नाम का उच्चारण करें।	– अधूरे शब्दों पर मात्रा लगाकर शब्द बनाना सीखेंगे।
– उदाहरण के माध्यम से समझाने के उपरांत बच्चों को प्रश्न 'ग' व 'घ' प्रश्न करने के लिए प्रेरित करें।	
– श्यामपट्ट पर कुछ अक्षर व मात्राएं लिखें; जैसे– स + ु + म + न ज + ु + रा + ब – अब बच्चों को बारी-बारी अपने पास बुलाएं और उन्हें कहें कि वे इन मात्राओं व अक्षर से मिलकर बनने वाला शब्द बताएं।	अध्यापिका के निर्देश सुनकर कार्य करेंगे।

गतिविधि समाप्त होने के उपरांत बच्चों को प्रेरित करें कि वे 'ङ' प्रश्न स्वयं करें। प्रश्न 'च' व 'छ' गृहकार्य में देंगे। (63) - अध्यापिका बच्चों को 'र' में 'उ' (ु) का प्रयोग बताएंगी।	दिए गए प्रश्नों को समझकर 'च' व 'छ' गृहकार्य में करेंगे। बच्चे ध्यान से सुनेंगे और फिर स्वयं 'क' व 'ख' भाग करेंगे।

गृहकार्य: - बच्चों को अभ्यास पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 16, 17 व 18 गृहकार्य में दें।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	64, 65

अपेक्षित परिणाम: पाठ पढ़कर अभ्यास कार्य करना

पुस्तक का अनुभाग: उ (ु) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकन: - अवलोकन द्वारा श्रवण कौशल व लेखन कौशल का मूल्यांकन

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(64, 65) - बच्चों से पुस्तक का पृष्ठ 64 खोलने को कहें और उन्हें बताएं कि आप 'तुलसी की चाय' पाठ पढ़ेंगी और वे उंगली से आपका अनुसरण करेंगे। - अब 'तुलसी की चाच' पाठ में दिये गए वाक्यों को उचित गति व आरोह अवरोह के साथ पढ़ें। - बच्चों से यही पाठ बारी-बारी से जोड़ों में पढ़ने को कहें। जोड़े में पढ़ते समय एक बच्चा पढ़ेगा और दूसरा बच्चा पुस्तक में उंगली से अनुसरण करेगा। - अंत में कुछ बच्चों से इस भाग का स्वतंत्र वाचन करवाएं। - स्वतंत्र वाचन के बाद इस पृष्ठ पर दिया गया प्रश्न 'क' स्वयं करने के लिए बच्चों को प्रेरित करें और उस समय कक्षा में घूम-घूमकर बच्चों का अवलोकन करें। गतिविधि समाप्त होने के उपरांत बच्चों को प्रेरित करें कि वे प्रश्न 'क' व 'ख' स्वयं करें।	- बोले गए वाक्यों पर उंगली रखते हुए अनुकरण करेगें। - पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में लिखेंगे - उचित शब्द द्वारा खाली स्थान भरेंगे।

गृहकार्य: - बच्चों को अभ्यास पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 16, 17 व 18 गृहकार्य में दें।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	65, 66, 67

अपेक्षित परिणाम: करने की बारी (वाचन कौशल), सोचने की बारी, (चिंतन कौशल का विकास), बोलने की बारी (वाचन कौशल का विकास), सुनने की बारी (श्रवण कौशल का विकास), जानने की बारी (ज्ञानवर्धक शिक्षा प्राप्त करना)

पुस्तक का अनुभाग: पुस्तक का अनुभाग - करने, सोचने, बोलने, सुनने व जानने की बारी

मूल्यांकन: वाचन कौशल, चिंतन कौशल, वाचन कौशल, श्रवण कौशल, ज्ञानवर्धक शिक्षा

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(65) – बच्चों को पुस्तक में दी 'बुलबुल' कविता सुर व लय ताल के साथ गानें को कहेंगे।	– उचित हाव-भाव व सुर-लय ताल के साथ कविता का उच्चारण करेंगे।
(66) – अध्यापिका बच्चों को आदेश दें कि के दिए गए चित्रों के नाम का पहला अक्षर लिखकर पहेली को सुलझाएं।	– निर्देशानुसार कार्य करेंगे।
– तुलसी के सेवन व पेड़ों के महत्व के विषय पर चर्चा करेंगे।	– अध्यापिका द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे।
(67) अध्यापिका पृष्ठ संख्या 120 पर लिखे गए वाक्यों का उच्चारण साफ़ व ऊँची आवाज में करेंगी।	बच्चे बोले गए वाक्यों को ध्यानपूर्वक सुनकर अध्यापिका के निर्देशानुसार कार्य करेंगे।
– अध्यापिका बच्चों को 'उ' की मात्रा से बने विभिन्न शब्दों का ज्ञान तालिका के अनुसार देंगी।	– अध्यापिका द्वारा उच्चारण किए गए शब्दों को ध्यान से सुनेंगे।

गृहकार्यः – बच्चों को अभ्यास पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 16, 17 व 18 गृहकार्य में दें।

उत्तरमाला

क. 1. कछुआ 2. कुटिया 3. बगुला 4. सुनार

ख.

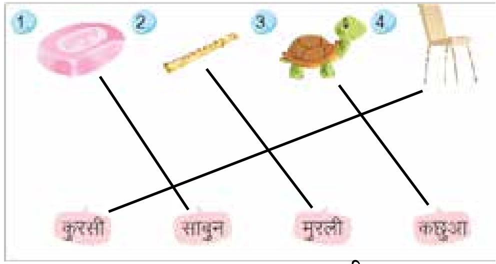

ग. 1. मुकुट 2. गुलाब 3. सुराही 4. झुमका 5. जामुन 6. धनुष

घ. 1. दुम 2. कुल 3. गुम 4. धुन 5. पुल 6. बुन

ङ. 1. दुकान 2. सुनार 3. बुढ़िया 4. जुराब

च. 1. चुनरी 2. तुलसी 3. मुकुट 4. मुरगा 5. लुहार 6. गुलाल

छ. 1. दुनिया, मुनिया, पुलिया 2. साबुन, दातुन, जामुन

'र' में 'उ' (ु) का प्रयोग

ख. 1. गुरु 2. रुपया 3. रुई

तुलसी की चाय (अभ्यास कार्य)

क. 1. चुलबुली 2. बुलबुल का 3. सुमन 4. चाय

ख. 1. बुलबुल 2. बहन, भाई 3. तुलसी 4. ठुमक-ठुमक

पृष्ठ संख्या 66, 67 व 68 पर दिए गए प्रश्न बच्चे स्वयं करेंगे।

Chapter
6

ऊ (ू) की मात्रा का ज्ञान

अपेक्षित परिणाम | शिक्षण सामग्री | शिक्षण/विद्यार्थी गतिविधियाँ | श्यामपट्ट

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	71, 72

अपेक्षित परिणाम: 'ऊ' (ू) की मात्रा की पहचान व शब्दों का पठन

पुस्तक का अनुभाग: उ (ु) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकन: – अवलोकन द्वारा 'ऊ' की मात्रा की पहचान का मूल्यांकन

शिक्षण सामग्री: ऊ (ू) की मात्रा का फ्लैश कार्ड

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(71, 72) 'ऊ' (ू) की मात्रा की पहचान कराने के लिए नीचे लिखी कविता को उचित हाव-भाव, सुर व लय ताल के साथ बच्चों के साथ गाएं– **कालू और मदारी** (कविता में आई सभी 'ऊ' की मात्राओं को रंगीन करो।) कालू एक मदारी आया, साथ में काला भालू लाया, कालू डमरू बजा रहा, काला भालू नाच रहा, इधर-उधर घूम-घूम। बच्चों के साथ कविता गाने के बाद उनसे पूछें: 1. मदारी का क्या नाम था? 2. कालू मदारी अपने साथ क्या लाया? – बच्चों के द्वारा दिए उत्तर को श्यामपट्ट पर लिखें। उत्तर 1 कालू उत्तर 2 भालू	– बोली गई कविता 'कालू और मदारी' ध्यान से सुनेंगे और कविता से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देंगे। – श्यामपट्ट पर लिखे व्यंजनों को ध्यान से पढ़ेंगे और उन पर 'ऊ' की मात्रा लगाकर उनका उच्चारण करेंगे।

- अब बच्चों से पूछें कि इन उत्तरों में कौन-सी आवाज़ समान है? (‘ऊ’ की आवाज)

- उन्हें बताएं कि ‘ऊ’ की आवाज को लिखने के लिए ‘ ू ’ का प्रयोग किया जाता है। श्यामपट्ट पर ‘ऊ’ की मात्रा बनाकर दिखाएं।

- अब ‘ऊ’ की मात्रा का फ्लैश कार्ड निकालें और बच्चों को यह बताएं कि यह ‘ऊ’ की मात्रा है।

- उन्हें बताएं कि जब हम ‘क’ व्यंजन पर ‘ऊ’ की मात्रा लगाते हैं तो ‘कू’ बनता है। इसी प्रकार कुछ अन्य व्यंनों पर ‘ऊ’ की मात्रा लगाकर उसका उच्चारण बच्चों से करवाएं।

- उनसे पूछें कितने बच्चे इस मात्रा को लिख सकते हैं। कुछ बच्चों से बोर्ड पर मात्रा लिखवाएं।

- अब कोई भी 5-6 व्यंजन बोर्ड पर लिखें और एक-एक बच्चे को बुलाकर किसी एक व्यंजन पर ‘ऊ’ की मात्रा लगाकर उसका मात्रा सहित उच्चारण करने को कहें।

- इसी प्रकार कुछ अन्य व्यंजन लिखकर उन पर मात्रा लगाकर बोलने का अभ्यास करवायें।

- गतिविधि के उपरांत पृष्ठ संख्या 71 पर दिए जू, लू, सू, पू, नू आदि शब्द पढ़ने के लिए बच्चों को प्रेरित करें।

- बच्चों को ‘ऊ’ की मात्रा वाले व्यंजन से शब्द बनाना सिखाएं। सबसे पहले नीचे दिया आरेख श्यामपट्ट पर बनाएं और बच्चों को ‘चू’ से शुरू होने वाले शब्द बताने के लिए कहें।

बच्चों द्वारा बताएं ‘चू’ से शुरू होने वाले शब्दों को इस प्रकार लिख दें।

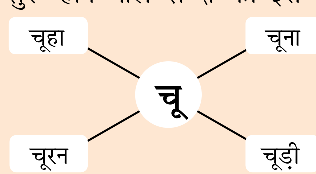

अब बारी-बारी से बच्चों से पृष्ठ संख्या 72 पर दिया शब्दकोश पढ़वाएं।

गतिविधि समाप्त होने के उपरांत बच्चों से कहें कि वे ‘क’ प्रश्न में दिए गए नामों को उनके सही चित्र के साथ मिलाएं।

- शब्द को उसके सही नाम से मिलाएंगे।

गृहकार्य: - बच्चों को अभ्यास पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 19, 20 व 21 गृहकार्य में दें।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	73, 74, 75, 76

अपेक्षित परिणाम: शुद्ध शब्द की पहचान, अधूरे वाक्य पूरा करना, चित्रों की पहचान, र व्यंजन में ऊ (ू) की मात्रा का प्रयोग करना

पुस्तक का अनुभाग: सूरज, दूध, मूली, के फ्लैश कार्ड्स

मूल्यांकन:
- अवलोकन द्वारा शुद्ध शब्द की पहचान का मूल्यांकन
अवलोकन द्वारा शब्द बनाने का मूल्यांकन
- अवलोकन द्वारा फ्लैश कार्ड पर बने चित्रों के नाम का मूल्यांकन
अवलोकन द्वारा अक्षर व मात्रा जोड़कर शब्दों का मूल्यांकन
- अवलोकन द्वारा चित्र पहचानकर नाम पहचान का मूल्यांकन
अवलोकन द्वारा 'र' में 'ऊ' (ू) की मात्रा का मूल्यांकन

शिक्षण सामग्री: सूरज, दूध, मूली, के फ्लैश कार्ड्स

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(73) - अध्यापिका बच्चों को निर्देश दें कि वे 'ख' प्रश्न में दिए चित्रों को ध्यान से देखें और उनके शुद्ध नाम पर गोला बनाएं प्रश्न 'ग' गृहकार्य में दें।	- अध्यापिका द्वारा दिए निर्देश सुनकर कार्य करेंगे।
(74) - श्यामपट्ट पर कुछ अक्षर व मात्राएं लिखें; जैसे– स + ु + म + न ज + ु + रा + ब - अब बच्चों को बारी-बारी अपने पास बुलाएं और उन्हें कहें कि वे इन मात्राओं व अक्षर से मिलकर बनने वाला शब्द बताएं। गतिविधि समाप्त होने के उपरांत बच्चों को प्रेरित करें कि वे 'घ' प्रश्न स्वयं करें।	- अक्षर व मात्रा जोड़कर शब्द बनाना सीखेंगे।
अध्यापिका श्यामपट्ट पर निम्नलिखित वाक्य लिखें। 1. .... से हमें गरमी मिलती है। 2. बच्चा .... पी रहा है। 3. आज माँ ने .... के परांठे बनाए। - अब चित्रों के कार्ड्स को मेज पर रख दें और बारी-बारी से बच्चों को अपने पास बुलाएं और उन्हें कहें कि वे श्यामपट्ट पर लिखें किसी एक वाक्य को पढ़ें और उस वाक्य में आने वाले चित्र का नाम फ्लैश कार्ड्स में से पहचानकर बताएं।	- चित्र पहचानकर उसका नाम लिखेंगे और अधूरे वाक्य पूरे करेंगे।

गतिविधि समाप्त करने के उपरांत बच्चों से कहें कि वे प्रश्न 'च' स्वयं करें। (75) अध्यापिका कक्षा में उपस्थित वस्तुओं के नाम बच्चों से जानें। उसके उपरांत बच्चों को प्रश्न 'च' व 'छ' स्वयं करने के लिए प्रेरित करें। (76) - अध्यापिका बच्चों को 'र' में 'उ' (ु) का प्रयोग बताएंगी।	- चित्र पहचानकर उसका नाम लिखेंगे और अधूरे वाक्य पूरे करेंगे। चित्र पहचानकर उसके नाम बताएंगे। - बच्चे ध्यान से सुनेंगे और फिर स्वयं 'क' व 'ख' भाग करेंगे।

गृहकार्यः प्रश्न 'ग'

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	77, 78

अपेक्षित परिणामः पाठ पढ़कर अभ्यास कार्य करना

मूल्यांकनः - अवलोकन द्वारा श्रवण कौशल व लेखन कौशल का मूल्यांकन

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(77, 78) - बच्चों से पुस्तक का पृष्ठ 77 खोलने को कहें और उन्हें बताएं कि आप 'जूही का झूला' पाठ पढ़ेंगी और वे उंगली से आपका अनुसरण करेंगे। - अब 'जूही का झूला' पाठ में दिये गए वाक्यों को उचित गति व आरोह अवरोह के साथ पढ़ें। - बच्चों से यही पाठ बारी-बारी से जोड़ों में पढ़ने को कहें। जोड़े में पढ़ते समय एक बच्चा पढ़ेगा और दूसरा बच्चा पुस्तक में उंगली से अनुसरण करेगा। - अंत में कुछ बच्चों से इस भाग का स्वतंत्र वाचन करवाएं। - स्वतंत्र वाचन के बाद इस पृष्ठ पर दिया गया प्रश्न 'क' स्वयं करने के लिए बच्चों को प्रेरित करें और उस समय कक्षा में घूम-घूमकर बच्चों का अवलोकन करें। गतिविधि समाप्त होने के उपरांत बच्चों को प्रेरित करें कि वे प्रश्न 'क' स्वयं करें। पृष्ठ संख्या 25 प्रश्न 'च' में कराई गति गतिविधि को पृष्ठ संख्या 78 पर दिए प्रश्न 'ख' के लिए दोहराएं तथा 'ग' प्रश्न बच्चों को स्वयं करने के लिए प्रेरित करें।	- बोले गए वाक्यों पर उंगली रखते हुए अनुकरण करेगें। - पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में लिखेंगे अध्यापिका के निर्देशानुसार कार्य करेंगे।

गृहकार्यः प्रश्न 'ग'

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	79-87

अपेक्षित परिणामः करने की बारी (रचनात्मक गतिविधि), सोचने की बारी (चिंतन कौशल का विकास), बोलने की बारी (वाचन कौशल का विकास), सुनने की बारी (श्रवण कौशल का विकास), जानने की बारी (ज्ञानवर्धक शिक्षा प्राप्त करना), 'उ' तथा 'ऊ' की मात्रा का पुनरभ्यास

मूल्यांकनः रचनात्मक कार्य, चिंतन कौशल, वाचन कौशल, श्रवण कौशल, ज्ञानवर्धक शिक्षा, - अवलोकन द्वारा पठन कौशल व लेखन कौशल का मूल्यांकन

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(79) – बच्चों को यह गतिविधि कराने से दो दिन पहले ही बता दें कि वे अलग-अलग आकार-प्रकार की पत्तियों को सूखा लें। बच्चों को निर्देश दें कि दिए गए चूहे के अनुसार सूखी पत्तियों से चूहा बनाकर उसे एक नाम दें।	– सूखी पत्तियों से चूहा बनाकर उसे नाम देंगे।
(80) – अध्यापिका बच्चों को आदेश दें कि पेड़ के जीवन चक्र को ध्यान से देखें और बीज से पेड़ बनने के काल को उचित क्रम दें।	– बीज से पेड़ बनने के चक्र को पहचानकर उसे क्रम देंगे।
– फूल तथा पेड़ के महत्व के विषय पर चर्चा करेंगे।	– अध्यापिका द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे।
(81) अध्यापिका पृष्ठ संख्या 120 पर लिखे गए वाक्यों का उच्चारण साफ़ व ऊँची आवाज में करेंगी।	बच्चे बोले गए वाक्यों को ध्यानपूर्वक सुनकर अध्यापिका के निर्देशानुसार कार्य करेंगे।
– अध्यापिका बच्चों को 'ऊ' की मात्रा से बने विभिन्न शब्दों का ज्ञान तालिका के अनुसार देंगी।	– अध्यापिका द्वारा उच्चारण किए गए शब्दों को ध्यान से सुनेंगे।
(85, 86, 87) – बच्चों से पुस्तक का पृष्ठ 85 खोलने को कहें और उन्हें बताएं कि आप 'चार कबूतर' कविता पढ़ेंगी और वे उंगली से आपका अनुसरण करेंगे।	– बोले गए वाक्यों पर उंगली रखते हुए अनुकरण करेंगे।
– अब 'चार कबूतर' में दी पंक्तियों को उचित गति व आरोह अवरोह के साथ पढ़ें।	
– बच्चों से यही भाग बारी-बारी से जोड़ों में पढ़ने को कहें। जोड़े में पढ़ते समय एक बच्चा पढ़ेगा और दूसरा बच्चा पुस्तक में उंगली से अनुसरण करेगा।	
– अंत में कुछ बच्चों से इस भाग का स्वतंत्र वाचन करवाएं।	
– स्वतंत्र वाचन के बाद इस पृष्ठ पर दिए गए प्रश्नों को स्वयं करने के लिए बच्चों को प्रेरित करें और उस समय कक्षा में घूम-घूमकर बच्चों का अवलोकन करें।	

गृहकार्य: – बच्चों को अभ्यास पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 22, 23 व 24 गृहकार्य में दें।

उत्तरमाला

क.

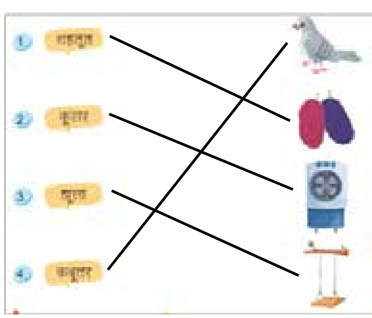

ख.	1. सूरज	2. झाड़ू	3. शहतूत	4. जूता	5. मूली	6. भालू
ग.	1. कूप	2. काजू	3. मूल	4. बालू	5. फूल	6. चालू
	7. दूर	8. भालू				
घ.	1. कपूर	2. सूरज	3. कचालू	4. कूदना	5. चूरन	
ङ.	1. शहतूत	2. फूल	3. कबूतर	4. भालू	5. झाड़ू	
च.	1. सूरज	2. नाखून	3. पूड़ी	4. मूली	5. चूहा	6. जादूगर

छ. धूप, पालतू, काजू, धन, कल, नाक

'र' में 'ऊ' (ू) का प्रयोग

ख. 1. रूठना 2. रूमाल 3. अमरूद

जूही का झूला (अभ्यास कार्य)

क. 1. सूरज 2 बबूल की डाल पर 3. मीनू

ख.

क	काजल	किला	कील	कुरता	कूदना
न	नाक	निपटना	नील	नुपुर	नूतन
प	पालक	पिला	पीतल	पुल	पूनम
म	मान	मिनट	मीनार	मुकुट	मूल
द	दानव	दिन	दीपक	दुकान	दूध

ग. 1. झूला 2. आलू 3. कचालू

पृष्ठ संख्या 79, 80 व 81 पर दिए गए प्रश्न बच्चे स्वयं करेंगे।

Chapter
7

ए (े) की मात्रा का ज्ञान

अपेक्षित परिणाम | शिक्षण सामग्री | शिक्षण/विद्यार्थी गतिविधियाँ | श्यामपट्ट

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	88, 89

अपेक्षित परिणाम: 'ए' (े) की मात्रा की पहचान व शब्दों का पठन

पुस्तक का अनुभाग: ए (े) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकन: – अवलोकन द्वारा 'ए' की मात्रा की पहचान का मूल्यांकन

शिक्षण सामग्री: ए (े) की मात्रा का फ्लैश कार्ड

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(88, 89) 'ए' (े) की मात्रा की पहचान कराने के लिए नीचे लिखी कविता को उचित हाव-भाव, सुर व लय ताल के साथ बच्चों के साथ गाएं– **रेल का खेल** (कविता में आई सभी 'ए' की मात्राओं को रंगीन करो।) बच्चे खेले रेल का खेल, तेज़ चलेगी अपनी रेल, छुक-छुक करती आती रेल, सारे भर गए पेलम-पेलम, झेलम पहुँची अपनी रेल, झेलम जाकर रूक गई रेल। बच्चों के साथ कविता गाने के बाद उनसे पूछें: 1. बच्चे कौन-सा खेल खेल रहे हैं? 2. रेल कैसे चल रही थी? 3. रेल कहाँ जाकर रूकी? – बच्चों के द्वारा दिए उत्तर को श्यामपट्ट पर लिखें।	बोली गई कविता 'रेल का खेल' ध्यान से सुनेंगे और कविता से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देंगे। – श्यामपट्ट पर लिखे व्यंजनों को ध्यान से पढ़ेंगे और उन पर 'ए' की मात्रा लगाकर उनका उच्चारण करें। – 'ए' की मात्रा से बनाए गए व्यंजनों को पढ़ना सीखेंगे।

उत्तर 1 रेल का खेल उत्तर 2 तेज उत्तर 3 झेलम

अब बच्चों से पूछें कि इन उत्तरों में कौन-सी आवाज समान है। (‘ऐ’ की आवाज)

- उन्हें बताएं कि ‘ए’ की आवाज को लिखने के लिए ‘ े ’ का प्रयोग किया जाता है। श्यामपट्ट पर ‘ए’ की मात्रा बनाकर दिखाएं।

- अब ‘ए’ की मात्रा का फ्लैश कार्ड निकालें और बच्चों को यह बताएं कि यह ‘ए’ की मात्रा है।

- उन्हें बताएं कि जब हम ‘क’ व्यंजन पर ‘ए’ की मात्रा लगाते हैं तो ‘के’ बनता है। इसी प्रकार कुछ अन्य व्यंनों पर ‘ए’ की मात्रा लगाकर उसका उच्चारण करके बताएं।

- उनसे पूछें कितने बच्चे इस मात्रा को लिख सकते हैं। कुछ बच्चों से बोर्ड पर मात्रा लिखवाएं।

- अब कोई भी 5-6 व्यंजन बोर्ड पर लिखें और एक-एक बच्चे को बुलाकर किसी एक व्यंजन पर ‘ए’ की मात्रा लगाकर उसका मात्रा सहित उच्चारण करने को कहें।

- इसी प्रकार कुछ अन्य व्यंजन लिखकर उन पर मात्रा लगाकर बोलने का अभ्यास करवायें।

- गतिविधि के उपरांत पृष्ठ संख्या 88 पर दिए से, ले, जे, पे, ये आदि वर्ण पढ़ने के लिए बच्चों को प्रेरित करें।

- बच्चों को ‘ए’ की मात्रा वाले व्यंजन से शब्द बनाना सिखाएं। सबसे पहले नीचे दिया आरेख श्यामपट्ट पर बनाएं और बच्चों को ‘पे’ से शुरू होने वाले शब्द बताने के लिए कहें।

बच्चों द्वारा बताएं ‘पे’ से शुरू होने वाले शब्दों को इस प्रकार लिख दें।

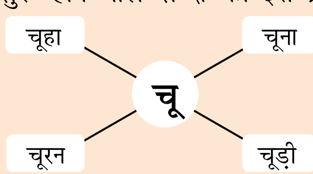

अब बारी-बारी से बच्चों से पृष्ठ संख्या 89 पर दिया शब्दकोश पढ़वाएं।

- बच्चों को प्रश्न ‘क’ उचित मिलान करें प्रश्न स्वयं करने को कहें।

- प्रश्न ‘ख’ गृहकार्य में दें।

गृहकार्यः - बच्चों को अभ्यास पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 25, 26 व 27 गृहकार्य में दें।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	90, 91, 92

अपेक्षित परिणाम: शुद्ध शब्द की पहचान, चित्रों की पहचान, वचन की पहचान

पुस्तक का अनुभाग: ए (े) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकन:
- अवलोकन द्वारा शुद्ध शब्द की पहचान का मूल्यांकन
- अवलोकन द्वारा चित्र पहचानकर नाम पहचान का मूल्यांकन
- अवलोकन द्वारा फ्लैश कार्ड पर बने चित्रों की संख्या का मूल्यांकन

शिक्षण सामग्री: कुछ चित्रों के फ्लैश कार्ड्स; जैसे– एक केला, तीन केले, एक फूल, चार फूल

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(90) – अध्यापिका बच्चों को निर्देश दें कि वे 'ख' प्रश्न में दिए चित्रों को ध्यान से देखें और उनके शुद्ध नाम पर गोला बनाएं। प्रश्न 'ग' गृहकार्य में दें।	– अध्यापिका द्वारा दिए निर्देश सुनकर कार्य करेंगे।
(91) अध्यापिका कक्षा में उपस्थित वस्तुओं के नाम बच्चों से जानें। उसके उपरांत बच्चों को प्रश्न 'ङ' में दिए गए चित्र पहचानकर उनके नाम लिखने के लिए प्रेरित करें। प्रश्न 'च' गृहकार्य में देंगे।	चित्र पहचानकर उसके नाम बताएंगे।
(92) अध्यापिका फ्लैश कार्ड्स को मेज पर रख दें और बारी-बारी से बच्चों को अपने पास बुलाएं और उन्हें आदेश दें कि वे फ्लैश कार्ड्स पर बनें चित्रों की संख्या को देखें और संख्या एक होने पर एक ताली बजाएं और एक से अधिक होने पर दो ताली बजाएं। गतिविधि समाप्त होने के उपरांत बच्चों से प्रश्न 'छ' व 'ज' स्वयं करने के लिए कहें।	चित्र की संख्या पहचानकर ताली बजाएंगे। उसके उपरांत दिए गए उदाहरण के अनुसार स्वयं प्रश्न हल करेंगे।

गृहकार्य: प्रश्न 'ग, प्रश्न 'च' करेंगे।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	93, 94

अपेक्षित परिणाम: पाठ पढ़कर अभ्यास कार्य करना

पुस्तक का अनुभाग: ए (े) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकन:
- अवलोकन द्वारा श्रवण कौशल व लेखन कौशल का मूल्यांकन

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(93, 94) – बच्चों से पुस्तक का पृष्ठ 93 खोलने को कहें और उन्हें बताएं कि आप 'वन के भीतर मेला' पाठ पढ़ेंगी और वे उंगली से आपका अनुसरण करेंगे।	– बोले गए वाक्यों पर उंगली रखते हुए अनुकरण करेगें। – पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में लिखेंगे

– अब 'वन के भीतर मेला' पाठ में दिये गए वाक्यों को उचित गति व आरोह अवरोह के साथ पढ़ें। – बच्चों से यही पाठ बारी-बारी से जोड़ों में पढ़ने को कहें। जोड़े में पढ़ते समय एक बच्चा पढ़ेगा और दूसरा बच्चा पुस्तक में उंगली से अनुसरण करेगा। – अंत में कुछ बच्चों से इस भाग का स्वतंत्र वाचन करवाएं। – स्वतंत्र वाचन के बाद इस पृष्ठ पर दिया गया प्रश्न 'क' स्वयं करने के लिए बच्चों को प्रेरित करें और उस समय कक्षा में घूम-घूमकर बच्चों का अवलोकन करें। गतिविधि समाप्त होने के उपरांत बच्चों को प्रेरित करें कि वे प्रश्न 'क' स्वयं करें। 'ख' प्रश्न के लिए अध्यापिका पाठ का पुनः उच्चारण करें। उसके उपरांत प्रश्न में दिए गए वाक्यों का उच्चारण ऊँची आवाज में करें और बच्चों से जानें कि दिए गए वाक्यों में कौन-से सही हैं और कौन-से गलत। अंत में बच्चों से कहें कि वाक्यों के सामने सही व गलत का निशान लगाएं।	अध्यापिका के निर्देशानुसार कार्य करेंगे।

कुल अवधि	2	**पृष्ठ संख्या**	95-98

अपेक्षित परिणाम: करने की बारी (रचनात्मक गतिविधि), सोचने की बारी (चिंतन कौशल का विकास), बोलने की बारी (वाचन कौशल का विकास), सुनने की बारी (श्रवण कौशल का विकास), जानने की बारी (ज्ञानवर्धक शिक्षा प्राप्त करना)

पुस्तक का अनुभाग: करने, सोचने, बोलने, सुनने व जानने की बारी

मूल्यांकन: रचनात्मक कार्य, चिंतन कौशल, वाचन कौशल, श्रवण कौशल, ज्ञानवर्धक शिक्षा

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(95) – गतिविधि कराने से पहले बच्चों से रेलगाड़ी में बैठे जानवरों के नाम जानें। उसके उपरांत बच्चों से कहें कि वे इन जानवरों के नाम स्वयं लिखें।	– जानवरों के नाम पहचानकर लिखेंगे।
(96) – इस भाग को कराने से पहले बच्चों से उनके पसंदीदा फलों के नाम जानें। उसके उपरांत बच्चों से यह भी जानें कि वे कौन-से फल छीलकर खाते हैं और कौन-से बिना छीले खा जाते हैं। – जानने के बाद दिए गए प्रश्न का उच्चारण ऊँची आवाज में करें और बच्चों से कहें कि वे छीलकर खानेवाले फलों के नीचे और बिना छीले खानेवाले फलों के नीचे सही का निशान लगाएं।	– अध्यापिका द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे।
अध्यापिका स्वच्छता के विषय में बच्चों से बात करें।	– अध्यापिका द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे।

(97, 98) अध्यापिका पृष्ठ संख्या 120 पर लिखे गए वाक्यों का उच्चारण साफ़ व ऊँची आवाज में करेंगी। – अध्यापिका बच्चों को 'ए' की मात्रा से बने विभिन्न शब्दों का ज्ञान तालिका के अनुसार देंगी।	बच्चे बोले गए वाक्यों को ध्यानपूर्वक सुनकर अध्यापिका के निर्देशानुसार कार्य करेंगे। – अध्यापिका द्वारा उच्चारण किए गए शब्दों को ध्यान से सुनेंगे।

उत्तरमाला

क.

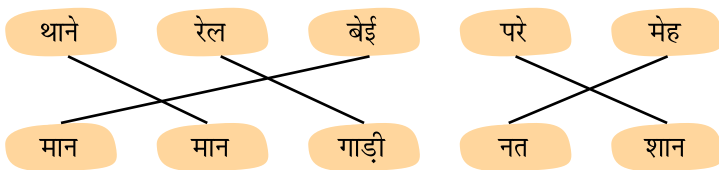

ख. 1. घेर 2. जेल 3. पेड़ 4. सेब 5. बेल 6. खेल

ग. 1. रेल 2. ठेला 3. केला 4. भेड़ 5. शेर 6. बेल

घ. 1. नेवला 2. ठठेरा 3. बेलन 4. सपेरा

ङ. 1. केक 2. सपेरा 3. करेला 4. ठठेरा 5. केला 6. जलेबी

च. 1. सवेरा 2. पहेली 3. चमेली 4. लालटेन

छ. 1. जूते 2. करेले 3. मेले 4. कपड़े 5. झूले 6. पेड़े

ज.

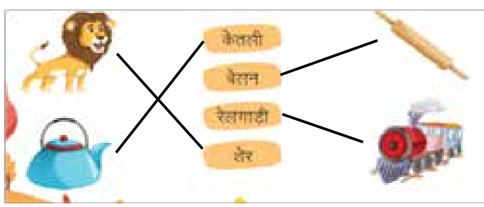

वन के भीतर मेला (अभ्यास कार्य)

क. 1. वन के भीतर 2. नेवले ने 3. शेर ने 4. शेरनी ने

ख. 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗

करने की बारी

भेड़, शेर, भेड़िया, केकड़ा, शेर

सोचने की बारी

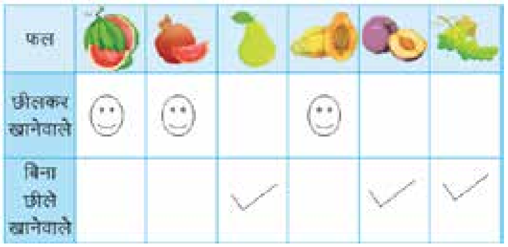

बोलने की बारी

इस प्रश्न का उत्तर भिन्न हो सकता है।

सुनने की बारी

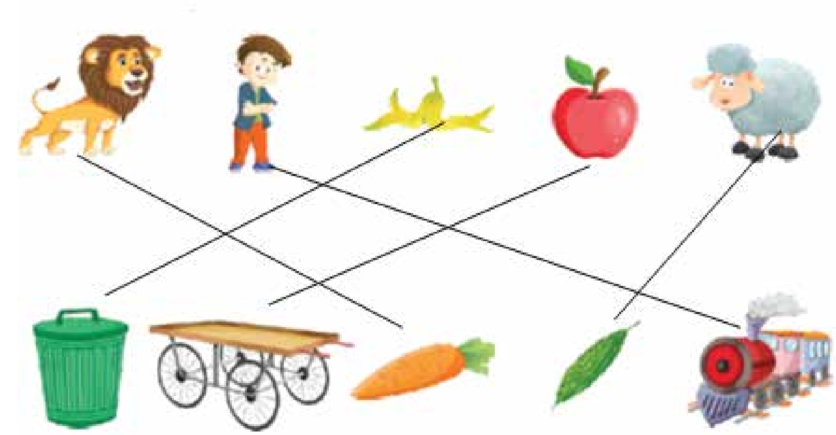

Chapter
8

ऐ (ै) की मात्रा का ज्ञान

अपेक्षित परिणाम शिक्षण सामग्री शिक्षण/विद्यार्थी गतिविधियाँ श्यामपट्ट

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	101, 102

अपेक्षित परिणाम: 'ऐ' (ै) की मात्रा की पहचान व शब्दों का पठन, 'ए' तथा 'ऐ' की, मात्रा में अंतर, समझना और लिखना

पुस्तक का अनुभाग: ऐ (ै) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकन: – अवलोकन द्वारा 'ऐ' की मात्रा की पहचान का मूल्यांकन

अवलोकन द्वारा 'ऐ' की मात्रा वाले शब्दों का मूल्यांकन

शिक्षण सामग्री: ऐ (ै) की मात्रा का फ्लैश कार्ड, ऐ (ै) की मात्रा, का फ्लैश कार्ड तथा कुछ ऐसे शब्दों के कार्ड जिन पर ' ` ' की मात्रा लगी हो। जैसे- मेल, बेल

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(101, 102) 'ऐ' (ै) की मात्रा की पहचान कराने के लिए नीचे लिखी कविता को उचित हाव-भाव, सुर व लय ताल के साथ बच्चों के साथ गाएं– **गैया** (कविता में आई सभी 'ऐ' की मात्राओं को रंगीन करो।) मैया जी एक लाईं गैया, बहुत खुश हुए वैभव भैया, बहन शैलजा घास खिलाये, नैना खड़ी-खड़ी मुस्काये। बच्चों के साथ कविता गाने के बाद उनसे प्रश्न पूछें: 1. गैया कौन लाया? 2. गैया के आने पर कौन खुश हुआ? 3. गैया को घास कौन खिलाता है? – बच्चों के द्वारा दिए उत्तर को श्यामपट्ट पर लिखें। उत्तर 1 मैया उत्तर 2 भैया उत्तर 3 शैलजा	– बोली गई कविता 'गैया' ध्यान से सुनेंगे और कविता से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देंगे। – श्यामपट्ट पर लिखे व्यंजनों को ध्यान से पढ़ेंगे और उन पर 'ऐ' की मात्रा लगाकर उनका उच्चारण करेंगे। – 'ऐ' की मात्रा से बनाए गए शब्दों की रचना करना सीखेंगे।

- अब बच्चों से पूछें कि इन उत्तरों में कौन-सी आवाज़ समान है? (‘ऐ’ की आवाज)
- उन्हें बताएं कि ‘ऐ’ की आवाज को लिखने के लिए ‘ ै ’ का प्रयोग किया जाता है। श्यामपट्ट पर ‘ऐ’ की मात्रा बनाकर दिखाएं।
- अब ‘ऐ’ की मात्रा का फ्लैश कार्ड निकालें और बच्चों को यह बताएं कि यह ‘ऐ’ की मात्रा है।
- उन्हें बताएं कि जब हम ‘क’ व्यंजन पर ‘ऐ’ की मात्रा लगाते हैं तो ‘कै’ बनता है। इसी प्रकार कुछ अन्य व्यंनों पर ‘ऐ’ की मात्रा लगाकर उसका उच्चारण करके बताएं।
- उनसे पूछें कि कितने बच्चे इस मात्रा को लिख सकते हैं। कुछ बच्चों से बोर्ड पर मात्रा लिखवाएं।
- अब कोई भी 5-6 व्यंजन बोर्ड पर लिखें और एक-एक बच्चे को बुलाकर किसी एक व्यंजन पर ‘ऐ’ की मात्रा लगाकर उसका मात्रा सहित उच्चारण करने को कहें।
- इसी प्रकार कुछ अन्य व्यंजन लिखकर उन पर मात्रा लगाकर बोलने का अभ्यास करवायें।
- गतिविधि के उपरांत पृष्ठ संख्या 101 पर दिए सै, लै, नै, बै, जै आदि वर्ण पढ़ने के लिए बच्चों को प्रेरित करें।
- बच्चों को ‘ऐ’ की मात्रा वाले व्यंजन से शब्द बनाना सिखाएं। सबसे पहले नीचे दिया आरेख श्यामपट्ट पर बनाएं और बच्चों को ‘बै’ से शुरू होने वाले शब्द बताने के लिए कहें। बच्चों द्वारा बताए ‘बै’ से शुरू होने वाले शब्दों को इस प्रकार लिख दें।

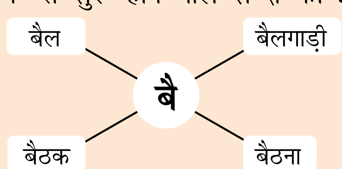

अब बारी-बारी से बच्चों से पृष्ठ संख्या 102 पर दिया शब्दकोश पढ़वाएं।

शब्द वाले कार्ड्स को मेज पर रख दें। अब बारी-बारी से बच्चों को अपने पास बुलाएं और उनसे कार्ड पर लिखें शब्द पढ़वाएं

अब बच्चों को ‘ऐ’ की मात्रा का कार्ड दिखाएं और उनसे बोलें कि बोले गए शब्दों में से किसी एक शब्द पर ‘ऐ’ की मात्रा लगाकर बनने वाला शब्द बोलें।

- गतिविधि समाप्त होने के बाद बच्चों को ‘क’ प्रश्न करने के लिए प्रेरित करें।

‘ए’ की मात्रा वाले शब्दों पर ‘ऐ’ की मात्रा लगाकर पढ़ना सीखेंगे।

गृहकार्यः - बच्चों को अभ्यास पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 28, 29 व 30 गृहकार्य में दें।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	103-105

अपेक्षित परिणाम: शब्द पहचान, चित्रों की पहचान

पुस्तक का अनुभाग: ऐ (ै) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकन: - अवलोकन द्वारा सही शब्द की पहचान का मूल्यांकन

- अवलोकन द्वारा चित्र पहचानकर नाम पहचान का मूल्यांकन ब

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(103) - अध्यापिका बच्चों को निर्देश दें कि वे 'ख' प्रश्न में लिखे गए शब्दों को ध्यान से पढ़ें और 'ऐ' की मात्रा वाले शब्दों पर गोला बनाएं। प्रश्न 'ग' गृहकार्य में दें। (104, 105) अध्यापिका कक्षा में उपस्थित वस्तुओं के नाम बच्चों से जानें। उसके उपरांत बच्चों को प्रश्न 'घ' में दिए गए चित्र पहचानकर उनके नाम लिखने के लिए प्रेरित करें। प्रश्न 'ङ' से 'छ' गृहकार्य में देंगे।	- अध्यापिका द्वारा दिए निर्देश सुनकर कार्य करेंगे। चित्र पहचानकर उसके नाम बताएंगे।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	106, 107

अपेक्षित परिणाम: पाठ पढ़कर अभ्यास कार्य करना

पुस्तक का अनुभाग: ऐ (ै) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकन: - अवलोकन द्वारा श्रवण कौशल व लेखन कौशल का मूल्यांकन

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(106, 107) - बच्चों से पुस्तक का पृष्ठ 106 खोलने को कहें और उन्हें बताएं कि आप 'नैनी झील की सैर' पाठ पढ़ेंगी और वे उंगली से आपका अनुसरण करेंगे। - अब 'वन के भीतर मेला' पाठ में दिये गए वाक्यों को उचित गति व आरोह अवरोह के साथ पढ़ें। - बच्चों से यही पाठ बारी-बारी से जोड़ों में पढ़ने को कहें। जोड़े में पढ़ते समय एक बच्चा पढ़ेगा और दूसरा बच्चा पुस्तक में उंगली से अनुसरण करेगा। - अंत में कुछ बच्चों से इस भाग का स्वतंत्र वाचन करवाएं। - स्वतंत्र वाचन के बाद इस पृष्ठ पर दिया गया प्रश्न 'क' स्वयं करने के लिए बच्चों को प्रेरित करें और उस समय कक्षा में घूम-घूमकर बच्चों का अवलोकन करें।	- बोले गए वाक्यों पर उंगली रखते हुए अनुकरण करेगें। - पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में लिखेंगे

गतिविधि समाप्त होने के उपरांत बच्चों को प्रेरित करें कि वे प्रश्न 'क' स्वयं करें। 'ख' प्रश्न के लिए अध्यापिका पाठ का पुनः उच्चारण करें। उसके उपरांत प्रश्न में दिए गए वाक्यों का उच्चारण ऊँची आवाज में करें और बच्चों से उनके रिक्त स्थान में आने वाला शब्द जानें।	अध्यापिका के निर्देशानुसार कार्य करेंगे।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	108-117

अपेक्षित परिणामः करने की बारी (रचनात्मक गतिविधि), सोचने की बारी (चिंतन कौशल का विकास), बोलने की बारी (वाचन कौशल का विकास), सुनने की बारी (श्रवण कौशल का विकास) जानने की बारी (ज्ञानवर्धक शिक्षा प्राप्त करना), 'आ' से 'ऐ' तक की मात्राओं का पुनरभ्यास

पुस्तक का अनुभागः करने, सोचने, बोलने, सुनने व जानने की बारी

मूल्यांकनः रचनात्मक कार्य, चिंतन कौशल, वाचन कौशल, श्रवण कौशल, ज्ञानवर्धक शिक्षा, अवलोकन द्वारा, श्रवण, पठन व, लेखन कौशल का मूल्यांकन

शिक्षण सामग्रीः आ से ऐ की मात्रा के फ्लैश कार्ड

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(108) - गतिविधि कराने से पहले बच्चों को कागज से नैया बनाना सिखाएंगे। उसके उपरांत अपने द्वारा बनाई गई नैया का क्रम समझाते हुए बच्चों से नैया बनवाएंगे और उसे तलैया में चिपकवाएंगे।	- कागज की नैया बनाकर तलैया में चिपकाएंगे।
- इस भाग को कराने से पहले बच्चों से इस प्रश्न में दिए गए चित्रों के नाम बच्चों से जानेंगे। उसके उपरांत इन प्रश्नों का उच्चारण करेंगे और बच्चों द्वारा दिए गए उत्तरों को ध्यान से सुनेंगे। यदि बच्चों ने गलत उत्तर दिया है, तो उन्हें सही उत्तर बताएंगे और बच्चों को प्रेरित करेंगे कि वे स्वयं उत्तर लिखें।	- अध्यापिका द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे।
अध्यापिका झील के विषय में बच्चों से बात करें।	- अध्यापिका द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे।
(110, 111) अध्यापिका पृष्ठ संख्या 120 पर लिखे गए वाक्यों का उच्चारण साफ़ व ऊँची आवाज में करेंगी।	बच्चे बोले गए वाक्यों को ध्यानपूर्वक सुनकर अध्यापिका के निर्देशानुसार कार्य करेंगे।
- अध्यापिका बच्चों को 'ऐ' की मात्रा से बने विभिन्न शब्दों का ज्ञान तालिका के अनुसार देंगी।	- अध्यापिका द्वारा उच्चारण किए गए शब्दों को ध्यान से सुनेंगे।
(114, 115, 116, 117) - 'आ' से 'ऐ' तक सभी मात्राओं के फ्लैश कार्ड एक डिब्बे में डाल दें। अब बारी-बारी से बच्चों को अपने पास बुलाएं और उन्हें कहें कि वे कोई भी एक कार्ड उठाएं और उस कार्ड पर लिखी मात्रा से बना एक शब्द बोलें। - गतिविधि कराने के उपरांत बच्चों से पुस्तक का पृष्ठ 114 खोलने को कहें और उन्हें बताएं कि आप 'बरखा रानी' कविता पढ़ेंगी और वे उंगली से आपका अनुसरण करेंगे।	- बोली गई पंक्तियों पर उंगली रखते हुए अनुकरण करेंगे।

– अब 'बरखा रानी' कविता में दी गई पंक्तियों को उचित गति व आरोह अवरोह के साथ पढ़ें।

– बच्चों से यही भाग बारी-बारी से जोड़ों में पढ़ने को कहें। जोड़े में पढ़ते समय एक बच्चा पढ़ेगा और दूसरा बच्चा पुस्तक में उंगली से अनुसरण करेगा।

– अंत में कुछ बच्चों से इस भाग का स्वतंत्र वाचन करवाएं।

– स्वतंत्र वाचन के बाद इस कविता में दिए गए प्रश्नों को स्वयं करने के लिए बच्चों को प्रेरित करें और उस समय कक्षा में घूम-घूमकर बच्चों का अवलोकन करें।

उत्तरमाला

क. ए – एक, एकतारा, एकता, एलान

ऐ – ऐनक, ऐरावत, ऐसा, ऐतिहासिक

ख. कैसा, कैलाश, पैदल, हैरान, सैनिक, बैलगाड़ी

ग.

घ. 1. पैदल, पैराशूट 2. बैल, बैलगाड़ी

ङ. 1. थैला 2. कैमरा 3. बैलगाड़ी 4. तैर

च. 1. बैर 2. मैल 3. फैल 4. बैल 5. सैर 6. चैन

छ. 1. बैठक 2. बैसाखी 3. शैतान 4. ततैया 5. मटमैला 6. भैयादूज

नैनी झील की सैर (अभ्यास कार्य)

क. 1. बैलगाड़ी से 2. कैमरा 3. मैना का 4. बैसाखी के मेले की

ख. 1. मैना 2. गैया 3. तलैया, नैया 4. बैसाखी करने की बारी कागज की नैया बनाकर तलैया में चिपकाएंगे।

सोचने की बारी

1. मैना 2. सैनिक 3. गैया 4. बैलगाड़ी 5. नैया

बोलने की बारी

इस प्रश्न का उत्तर भिन्न हो सकता है।

सुनने की बारी

अध्यापिका के निर्देशानुसार कार्य करेंगे।

Chapter 8

ओ (ो) की मात्रा का ज्ञान

अपेक्षित परिणाम | शिक्षण सामग्री | शिक्षण/विद्यार्थी गतिविधियाँ | श्यामपट्ट

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	5, 6

अपेक्षित परिणाम: 'ओ' की मात्रा की पहचान व शब्दों का पठन

पुस्तक का अनुभाग: ओ (ो) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकन: - अवलोकन द्वारा 'ओ' की मात्रा की पहचान का मूल्यांकन

शिक्षण सामग्री: ओ (ा) की मात्रा का फ्लैश कार्ड

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(5, 6) 'ओ' की मात्रा की पहचान कराने के लिए नीचे लिखी कविता को उचित हाव-भाव, सुर व लय ताल के साथ बच्चों के साथ गाएं– **चाय और समोसा** (कविता में आई सभी 'ओ' की मात्राओं को रंगीन करो।) दोपहर के अब बज गए दो, गोपाल-हमको समोसे दो, भागता-भागता मनोहर आया, गरम-गरम समोसे लाया, सोहन भोलू, समोसे खाओ, कोमल बिटिया चाय बनाओ। बच्चों के साथ कविता गाने के बाद उनसे पूछें: 1. भागता-भागता कौन आया? 2. मनोहर क्या लाया? - बच्चों के द्वारा दिए उत्तर को श्यामपट्ट पर लिखें। उत्तर 1 मनोहर उत्तर 2 समोसा	- बोली गई कविता 'चाय और समोसा' ध्यान से सुनेंगे और कविता से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देंगे। - श्यामपट्ट पर लिखे व्यंजनों को ध्यान से पढ़ेंगे और उन पर 'ओ' की मात्रा लगाकर उनका उच्चारण करेंगे। - शब्द पढ़कर 'ओ' की मात्रा पर गोला लगाएंगे।

– अब बच्चों से पूछें कि इन उत्तरों में कौन-सी आवाज समान है? (‘ओ’ की आवाज) उन्हें बताएं कि ‘ओ’ की आवाज को लिखने के लिए ‘ो’ का प्रयोग किया जाता है। श्यामपट्ट पर ‘ओ’ की मात्रा बनाकर दिखाएं। – अब ‘ओ’ की मात्रा का फ्लैश कार्ड निकालें और बच्चों को यह बताएं कि यह ‘ओ’ की मात्रा है।

– उन्हें बताएं कि जब हम ‘क’ व्यंजन पर ‘ओ’ की मात्रा लगाते हैं तो ‘को’ बनता है । इसी प्रकार कुछ अन्य व्यंजनों पर ‘ओ’ की मात्रा लगाकर उसका उच्चारण बच्चों से करवाएं।

– उनसे पूछें कितने बच्चे इस मात्रा को लिख सकते हैं। कुछ बच्चों से बोर्ड पर मात्रा लिखवाएं।

– अब कोई भी 5-6 व्यंजन बोर्ड पर लिखें और एक-एक बच्चे को बुलाकर किसी एक व्यंजन पर ‘ओ’ की मात्रा लगाकर उसका मात्रा सहित उच्चारण करने को कहें।

– इसी प्रकार कुछ अन्य व्यंजन लिखकर उन पर मात्रा लगाकर बोलने का अभ्यास करवायें।

– गतिविधि के उपरांत पृष्ठ संख्या 5 पर दिए को, गो, पो, मो, खो आदि वर्ण पढ़ने के लिए बच्चों को प्रेरित करें।

– बच्चों को ‘ओ’ की मात्रा वाले व्यंजन से शब्द बनाना सिखाएं। सबसे पहले नीचे दिया आरेख श्यामपट्ट पर बनाएं और बच्चों को ‘मो’ से शुरू होने वाले शब्द बताने के लिए कहें। बच्चों द्वारा बताएं ‘मो’ से शुरू होने वाले शब्दों को इस प्रकार लिख दें।

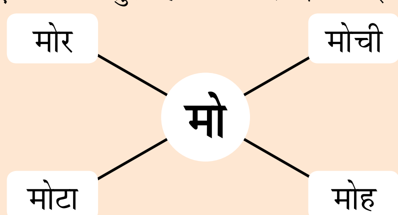

अब बारी-बारी से बच्चों से पृष्ठ संख्या 6 पर दिया शब्दकोश पढ़वाएं।

– प्रश्न ‘क’ में अमात्रिक शब्दों पर ‘ओ’ (ो) की मात्रा लगाकर पढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे।

गृहकार्य: – बच्चों को अभ्यास पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 34, 35 व 36 गृहकार्य में दें।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	5, 6

अपेक्षित परिणाम: ‘ओ’ की मात्रा का सही प्रयोग कर शब्दों का पठन व लेखन, ‘ओ’ की मात्रा वाले शब्दों का पठन व लेखन

पुस्तक का अनुभाग: ओ (ो) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकन: – अवलोकन द्वारा चित्र पहचानकर उनके नामों का मूल्यांकन

शिक्षण सामग्री: टोकरी, खरगोश, ढोलक आदि चित्रों के फ्लैश कार्ड्स

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(7) श्यामपट्ट पर कुछ वस्तुओं के चित्र बनाकर उनके नाम बिना 'ओ' (ो) की मात्रा के लिखें। समझाने के लिए एक उदाहरण करके दिखाया जा सकता है; जैसे– [ढोलक का चित्र] ढ······ल क [घोड़ा का चित्र] घ······ड़ा – बच्चों से चित्रों के नाम पूछें और बारी-बारी से एक-एक बच्चे को बुलाएं और कहें कि वे उचित स्थान पर 'ओ' की मात्रा लगाएं और चित्र के नाम का उच्चारण करें। – उदाहरण के माध्यम से समझाने के उपरांत बच्चों को 'ख' भाग करने के लिए प्रेरित करें। अध्यापिका श्यामपट्ट पर निम्नलिखित वाक्य लिखें। 1. .... में फल रख। 2. .... को गाजर पसंद है। 3. आकाश .... बजा रहा है। – अब चित्रों के कार्ड्स को मेज पर रख दें और बारी-बारी से बच्चों को अपने पास बुलाएं और उन्हें कहें कि वे श्यामपट्ट पर लिखें किसी एक वाक्य को पढ़ें और उस वाक्य में आने वाले चित्र का नाम फ्लैश कार्ड्स में से पढ़कर बताएं। – गतिविधि समाप्त होने के बाद बच्चों को 'ग' प्रश्न स्वयं करने के लिए प्रेरित करें।	– अध्यापिका द्वारा समझाए गए उदाहरणों को ध्यान से सुनेंगे और अधूरे शब्दों पर मात्रा लगाकर शब्द बनाना सीखेंगे।

गृहकार्य: – बच्चों को अभ्यास पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 34, 35 व 36 गृहकार्य में दें।

कुल अवधि 2 **पृष्ठ संख्या** 8

अपेक्षित परिणाम: समान लय वाले शब्द बनाना सीखेंगे

पुस्तक का अनुभाग: ओ (ो) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकन: – समान लय वाले शब्द

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(8) – अध्यापिका मोर का चित्र श्यामपट्ट पर बना दें। चित्र बनाने के उपरांत बच्चों से इसका नाम पूछें। बच्चे उत्तर में मोर बोलेंगे।	– अध्यपिका द्वारा समझाए गए उदाहरण को ध्यान से सुनकर उसके अनुसार यह प्रश्न स्वयं करने की कोशिश करेंगे।

- बच्चों द्वारा बोले गए चित्र के नाम को उस चित्र के नीचे लिख दें। - अब बच्चों को बताएं कि मोर का समान लय वाला शब्द चोर है। - अब बच्चों को प्रेरित करें कि वे स्वयं 'घ' भाग करें। गृहकार्य - प्रश्न 'ङ' व 'च'	- कठिनाई आने पर बच्चे अध्यापिका की सहायता ले सकते हैं।

गृहकार्य: अध्यापिका बच्चों को इस बात से अवगत कराएं कि मिलते-जुलते अर्थ वाले शब्दों को समान लय वाले शब्द भी कहते है।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	9, 10

अपेक्षित परिणाम: कहानी पढ़कर अभ्यास कार्य करना

मूल्यांकन: - अवलोकन द्वारा श्रवण कौशल व लेखन कौशल का मूल्यांकन

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(9, 10) - बच्चों से पुस्तक का पृष्ठ खोलने को कहें और उन्हें बताएं कि आप 'होली आई होली आई' कहानी पढ़ेंगी और वे उंगली से आपका अनुसरण करेंगे। - अब 'होली आई होली आई' कहानी में दिये गए वाक्यों को उचित गति व आरोह अवरोह के साथ पढ़ें। - बच्चों से यही कहानी बारी-बारी से जोड़ों में पढ़ने को कहें। जोड़े में पढ़ते समय एक बच्चा पढ़ेगा और दूसरा बच्चा पुस्तक में उंगली से अनुसरण करेगा। - अंत में कुछ बच्चों से इस भाग का स्वतंत्र वाचन करवाएं। - स्वतंत्र वाचन के बाद इस पृष्ठ पर दिए गए प्रश्न 'क' व 'ख' स्वयं करने के लिए बच्चों को प्रेरित करें और उस समय कक्षा में घूम-घूमकर बच्चों का अवलोकन करें।	- बोले गए वाक्यों पर उंगली रखते हुए अनुकरण करेगें। - पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे। - पृष्ठ पर दिए गए प्रश्न का उचित मिलान करेंगे।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	9, 10

अपेक्षित परिणाम: करने की बारी (पशु-पक्षियों की पहचान करेंगे), सोचने की बारी (चिंतन कौशल का विकास), बोलने की बारी (वाचन कौशल का विकास), सुनने की बारी (श्रवण कौशल का विकास), जानने की बारी (ज्ञानवर्धक शिक्षा प्राप्त करना)

मूल्यांकन: चिंतन कौशल, वाचन कौशल, श्रवण कौशल, ज्ञानवर्धक शिक्षा

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(11) - अध्यापिका बच्चों को कहें कि वे दिए गए पशु व पक्षियों के नाम स्वयं पहचानकर लिखें। (12) - बच्चों को एक उदाहरण देकर समझाएँगे कि किस प्रकार चित्र के नाम का	- दिए गए चित्रों को पहचानकर उनके नाम लिखेंगे। - दिए गए चित्र के नाम का पहला अक्षर व दी गई मात्रा को जोड़कर शब्द बनाएंगे। - अध्यापिका द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे।

पहला अक्षर व दी गई मात्रा जोड़कर शब्द बनाए जाते हैं। – उसके उपरांत बच्चों को प्रेरित करेंगे कि वे स्वयं 'सोचने की बारी' प्रश्न हल करें। – अध्यापिका बच्चों से होली का त्योहार से संबंधित दिए गए प्रश्नों के उत्तर जानेंगी। (13, 14) – अध्यापिका पृष्ठ संख्या 104 पर लिखे गए वाक्यों का उच्चारण साफ़ व ऊँची आवाज में करेंगी। – ज्ञानवर्धक शिक्षा प्राप्त कराना	– बच्चे बोले गए वाक्यों को ध्यानपूर्वक सुनकर अध्यापिका के निर्देशानुसार कार्य करेंगे। – अध्यापिका द्वारा उच्चारण किए गए शब्दों को ध्यान से सुनेंगे।

उत्तरमाला

क. 1. मोर 2. लोमड़ी 3. रोटी 4. टोकरी 5. जोकर 6. समोसा

ख. 1. डोर 2. मोटर 3. भोजन 4. कोमल 5. घोड़ा 6. ढोलक

ग. 1. धोबी 2. कोयल 3. लोटा 4. घोड़ा 5. टोकरी 6. ढोकला

घ. 1. खोटा 2. रोना 3. टोली 4. मोर 5. चोट 6. चोटी

ङ. 1. घोड़ी 2. लड़की 3. बकरी 4. पोती 5. कटोरी 6. बेटी

च. 1. जोकर 2. ढोलक 3. समोसा

होली आई होली आई (अभ्यास कार्य)

क. 1. तोता व लोमड़ी पेड़ पर छिपकर बैठे थे।

2. लोमड़ी ने खरगोश को देख लिया।

3. खरगोश गुलाल का पानी डलने पर नीला-पीला हो गया।

ख. 1. टोली 2. गुलाल 3. ढोल

करने की बारी

लोमड़ी, कोयल, तोता, खरगोश, मोर, घोड़ा

सोचने की बारी

1. कोयल 2. रसोई 3. ढोलक

बोलने की बारी

इस प्रश्न का उत्तर भिन्न हो सकता है।

सुनने की बारी

बच्चे स्वयं करेंगे।

Chapter 9

औ (ौ) की मात्रा का ज्ञान

अपेक्षित परिणाम　　शिक्षण सामग्री　　शिक्षण/विद्यार्थी गतिविधियाँ　　श्यामपट्ट

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	17, 18

अपेक्षित परिणाम: 'औ' की मात्रा की पहचान व शब्दों का पठन

पुस्तक का अनुभाग: ओ (ो) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकन: - अवलोकन द्वारा 'ओ' की मात्रा की पहचान का मूल्यांकन

शिक्षण सामग्री: औ (ौ) की मात्रा का फ्लैश कार्ड

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(17, 18) 'औ' की मात्रा की पहचान कराने के लिए नीचे लिखी कविता को उचित हाव-भाव, सुर व लय ताल के साथ बच्चों के साथ गाएं– **गौरव के चौबीस पौधे** (कविता में आई सभी 'औ' की मात्राओं को रंगीन करो।) गौरव के थे मौसा आये, साथ वह अपने पौधा लाये, गौरव, मौसा गए बगीचे, लगाये पौधे उनको सींचे, गौरव था अब गिनता पौधे, पूरे लगे थे चौबीस पौधे। बच्चों के साथ कविता गाने के बाद उनसे पूछें: 1. गौरव के घर कौन आया था? 2. गौरव के लिए मौसा क्या लाए? - बच्चों के द्वारा दिए उत्तर को श्यामपट्ट पर लिखें। उत्तर 1 मौसा　　　　उत्तर 2 पौधे	- बोली गई कविता 'गौरव के चौबीस पौधे' ध्यान से सुनेंगे और कविता से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देंगे। - श्यामपट्ट पर लिखे व्यंजनों को ध्यान से पढ़ेंगे और उन पर 'औ' की मात्रा लगाकर उनका उच्चारण करेंगे। - शब्द पढ़कर 'औ' की मात्रा पर गोला लगाएंगे।

– अब बच्चों से पूछें कि इन उत्तरों में कौन-सी आवाज समान है? ('औ' की आवाज)

उन्हें बताएं कि 'औ' की आवाज को लिखने के लिए ' ौ ' का प्रयोग किया जाता है। श्यामपट्ट पर 'औ' की मात्रा बनाकर दिखाएं। – अब 'औ' की मात्रा का फ्लैश कार्ड निकालें और बच्चों को यह बताएं कि यह 'औ' की मात्रा है।

– उन्हें बताएं कि जब हम 'क' व्यंजन पर 'औ' की मात्रा लगाते हैं तो 'कौ' बनता है। इसी प्रकार कुछ अन्य व्यंजनों पर 'औ' की मात्रा लगाकर उसका उच्चारण बच्चों से करवाएं।

– उनसे पूछें कितने बच्चे इस मात्रा को लिख सकते हैं। कुछ बच्चों से बोर्ड पर मात्रा लिखवाएं।

– अब कोई-भी 5-6 व्यंजन बोर्ड पर लिखें और एक-एक बच्चे को बुलाकर किसी एक व्यंजन पर 'औ' की मात्रा लगाकर उसका मात्रा सहित उच्चारण करने को कहें।

– इसी प्रकार कुछ अन्य व्यंजन लिखकर उन पर मात्रा लगाकर बोलने का अभ्यास करवायें।

– गतिविधि के उपरांत पृष्ठ संख्या 17 पर दिए रौ, लौ, टौ, तौ, पौ आदि वर्ण पढ़ने के लिए बच्चों को प्रेरित करें।

– बच्चों को 'औ' की मात्रा वाले व्यंजन से शब्द बनाना सिखाएं। सबसे पहले नीचे दिया आरेख श्यामपट्ट पर बनाएं और बच्चों को 'चौ' से शुरू होने वाले शब्द बताने के लिए कहें।

बच्चों द्वारा बताएं 'चौ' से शुरू होने वाले शब्दों को इस प्रकार लिख दें।

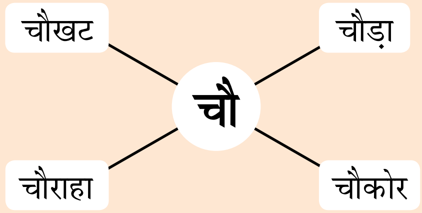

अब बारी-बारी से बच्चों से पृष्ठ संख्या 18 पर दिया शब्दकोश पढ़वाएं।

– प्रश्न 'क' में अमात्रिक शब्दों पर 'औ' (ौ) की मात्रा लगाकर पढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे।

गृहकार्य – पृष्ठ 18 का 'ख' प्रश्न

गृहकार्य: – बच्चों को अभ्यास पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 34, 35 व 36 गृहकार्य में दें।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	19, 20

अपेक्षित परिणामः मिलती-जुलती आवाज वाले शब्द बनाना सीखेंगे

पुस्तक का अनुभागः औ (ौ) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकनः - समान लय वाले शब्द

शिक्षण सामग्रीः औ (ौ) की मात्रा का फ्लैश कार्ड

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(19, 20) - अध्यापिका लौकी का चित्र श्यामपट्ट पर बना दें। चित्र बनाने के उपरांत बच्चों से इसका नाम पूछें। बच्चे उत्तर में लौकी बोलेंगे। - बच्चों द्वारा बोले गए चित्र के नाम को उस चित्र के नीचे लिख दें। - अब बच्चों को बताएं कि लौकी का समान लय वाला शब्द चौकी है। - अब बच्चों को प्रेरित करें कि वे स्वयं 'ग' भाग करें। गृहकार्य - पृष्ठ 20	- अध्यपिका द्वारा समझाए गए उदाहरण को ध्यान से सुनकर उसके अनुसार यह प्रश्न स्वयं करने की कोशिश करेंगे। - कठिनाई आने पर बच्चे अध्यापिका की सहायता ले सकते हैं।

गृहकार्यः अध्यापिका बच्चों को इस बात से अवगत कराएं कि मिलते-जुलते अर्थ वाले शब्दों को समान लय वाले शब्द भी कहते है।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	21

अपेक्षित परिणामः 'ओ' तथा 'औ' की मात्रा में अंतर समझना

मूल्यांकनः - अवलोकन द्वारा पठन कौशल व अधूरे शब्दों को पूरा बनाने का मूल्यांकन

शिक्षण सामग्रीः लौ, चौ, तौ और मौ का फ्लैश कार्ड

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(21) अध्यापिका श्यामपट्ट पर निम्नलिखित शब्द लिखें। 1. खि .... ना 2. .... द ह 3. .... लि या 5. .... सी - अब फ्लैश काड्र्स को मेज पर रख दें और बारी-बारी से बच्चों को अपने पास बुलाएं और उन्हें कहें कि वे श्यामपट्ट पर लिखें अधूरे शब्दों में से किसी एक शब्द को पढ़ें और मेज पर रखे कार्ड्स में से ऐसे कार्ड को चुनें जिसकी सहायता से बोर्ड पर लिखा अधूरा शब्द पूरा हो जाए।	- उचित फ्लैश कार्ड का चुनाव करके श्यामपट्ट पर लिखे अधूरे शब्दों को पूरा करेंगे।

– गतिविधि समाप्त होने के बाद बच्चों को पृष्ठ संख्या 21 पर दिए दोनों प्रश्न पुस्तक में दिए निर्देश के अनुसार करवाएं। गृहकार्य – पृष्ठ 22 का प्रश्न 'ज'	

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	23, 24

पुस्तक का अनुभाग: औ (ौ) की मात्रा का ज्ञान

अपेक्षित परिणाम: कहानी पढ़कर अभ्यास कार्य करना

मूल्यांकन: – अवलोकन द्वारा श्रवण कौशल व लेखन कौशल का मूल्यांकन

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(23, 24) – बच्चों से पुस्तक का पृष्ठ खोलने को कहें और उन्हें बताएं कि आप 'लौकी का पौधा' कहानी पढ़ेंगी और वे उंगली से आपका अनुसरण करेंगे। – अब 'लौकी का पौधा' कहानी में दिए गए वाक्यों को उचित गति व आरोह अवरोह के साथ पढ़ें। – बच्चों से यही कहानी बारी-बारी से जोड़ों में पढ़ने को कहें। जोड़े में पढ़ते समय एक बच्चा पढ़ेगा और दूसरा बच्चा पुस्तक में उंगली से अनुसरण करेगा। – अंत में कुछ बच्चों से इस भाग का स्वतंत्र वाचन करवाएं। – स्वतंत्र वाचन के बाद इस पृष्ठ पर दिए गए प्रश्न 'क' व 'ख' स्वयं करने के लिए बच्चों को प्रेरित करें और उस समय कक्षा में घूम-घूमकर बच्चों का अवलोकन करें।	– बोले गए वाक्यों पर उंगली रखते हुए अनुकरण करेगें। – पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे। – पृष्ठ पर दिए गए प्रश्न का उचित मिलान करेंगे।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	23, 24

पुस्तक का अनुभाग: करने, सोचने, बोलने, सुनने व जानने की बारी

अपेक्षित परिणाम: (करने की बारी) पौधे के विभिन्न, भागों के नामों का उच्चारण व लेखन, सोचने की बारी (चिंतन कौशल का विकास), बोलने की बारी (वाचन कौशल का विकास), सुनने की बारी (श्रवण कौशल का विकास), जानने की बारी (ज्ञानवर्धक शिक्षा प्राप्त करना)

मूल्यांकन: चिंतन कौशल, वाचन कौशल, श्रवण कौशल, ज्ञानवर्धक शिक्षा

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(25) – अध्यापिका श्यामपट्ट पर पौधे का चित्र बनाकर बच्चों को उसके भागों के नाम लिखकर समझाएं। पौधे के भागों के नाम समझाने के उपरांत पृष्ठ संख्या 22 पर दिए प्रश्न को पुस्तक में दिए गए निर्देश के अनुसार करवाएं।	– पौधे के चित्र में रंग करके उसके भागों के नाम लिखेंगे। – अध्यापिका के निर्देशानुसार कार्य करेंगे। – अध्यापिका द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे।

(26) – बच्चों को प्रश्न के अनुसार निर्देश दें। – अध्यापिका बच्चों से कहेंगी कि वे टमाटर के पौधे का जीवन-चक्र देखकर उसे अपने शब्दों में व्यक्त करें। (27, 28) – अध्यापिका पृष्ठ संख्या 104 पर लिखे गए वाक्यों का उच्चारण साफ़ व ऊँची आवाज में करेंगी। – ज्ञानवर्धक शिक्षा प्राप्त कराना	– बच्चे बोले गए वाक्यों को ध्यानपूर्वक सुनकर अध्यापिका के निर्देशानुसार कार्य करेंगे। – अध्यापिका द्वारा उच्चारण किए गए शब्दों को ध्यान से सुनेंगे।

गृहकार्यः – अध्यापिका द्वारा दी गई जानकारी को ध्यान से सुनकर ग्रहण करेंगे।

उत्तरमाला

क. 1. शोक-शौक 2. कोन-कौन 3. बोना-बौना 4. लोटा-लौटा

ख. 1. खिलौन 2. बिछौना 3. हथौड़ा 4. कौआ
5. चौकी 6. लौकी

ग. नौका मौका मौजपुर जौनपुर
चौकी लौकी कौरव गौरव
कचौड़ी पकौड़ी

घ.

ङ. 1. जौहरी 2. चौखट 3. मौलवी 4. सौदागर
5. चौकीदार 6. नौकरानी

च) ओ – टोकरी, चोर, अखरोट, जोकर, मोटर
औ – मौसी, मौसम, मौलवी, नौजवान, नौकर

छ) 1. खिलौना 2. नौका 3. पौधा 4. औरत
5. हथौड़ा 6. कचौड़ी

ज) 1. तौलिया, गौरैया 2. कचौड़ी, हथौड़ी
3. नौकर, चौकीदार 4. खिलौना, बिछौना

लौकी का पौधा (अभ्यास कार्य)

क) 1. गौतम के घर उसके मौसा-मौसी आ गए।
2. गौतम की मौसी उसके लिए लौकी का पौधा लाई।
3. पौधे की देखभाल गौतम और उसकी बहन गौरी करने लगे।

ख) 1. मौसी 2. गौतम 3. कचौड़ी 4. लौकी

करने की बारी

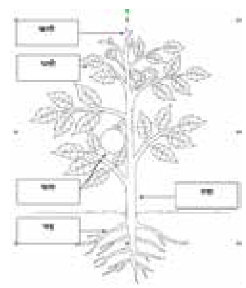

सोचने की बारी

बच्चे स्वयं करेंगे।

बोलने की बारी

इस प्रश्न का उत्तर भिन्न हो सकता है।

सुनने की बारी

बच्चे स्वयं करेंगे।

Chapter
10

अं (ं) की मात्रा का ज्ञान

अपेक्षित परिणाम | शिक्षण सामग्री | शिक्षण/विद्यार्थी गतिविधियाँ | श्यामपट्ट

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	31, 32

अपेक्षित परिणामः 'अं' की मात्रा की पहचान व शब्दों का पठन

पुस्तक का अनुभागः अं (ं) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकनः अवलोकन द्वारा 'अं' की मात्रा व शब्दों के पठन का मूल्यांकन

शिक्षण सामग्रीः अं (ं) की मात्रा का फ्लैश कार्ड

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(31, 32) 'अं' की मात्रा की पहचान कराने के लिए नीचे लिखी कविता को उचित हाव-भाव, सुर व लय ताल के साथ बच्चों के साथ गाएं– **चंदन की पतंग** (कविता में आई सभी 'अं' की मात्राओं को रंगीन करो।) चंदन लाया एक पतंग, उड़ती रहती डोर के संग, लाल हरा है इनका रंग, पंकज देख रह गया दंग चंदन जब भी पेच लड़ाता, पतंग अंकुर की काट गिराता। बच्चों के साथ कविता गाने के बाद उनसे पूछें: 1. चंदन क्या लाया? 2. पंतग को देख कौन दंग रह गया था? बच्चों के द्वारा दिए उत्तर को श्यामपट्ट पर लिखें। उत्तर 1 पतंग उत्तर 2 पंकज	– बोली गई कविता 'चंदन की पतंग' ध्यान से सुनेंगे और कविता से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देंगे। – श्यामपट्ट पर लिखे व्यंजनों को ध्यान से पढ़ेंगे और उन पर 'अं' की मात्रा लगाकर उनका उच्चारण करेंगे। – अध्यापिका द्वारा 'अं' की मात्रा से बनाए गए शब्दों को बनाना सीखेंगे। – शब्द पढ़कर 'अं' की मात्रा पर गोला लगाएंगे।

– अब बच्चों से पूछें कि इन उत्तरों में कौन-सी आवाज समान है? (‘अं’ की आवाज)

– उन्हें बताएं कि ‘अं’ की आवाज को लिखने के लिए (ं) का प्रयोग किया जाता है। श्यामपट्ट पर ‘अं’ की मात्रा बनाकर दिखाएं।

– अब ‘अं’ की मात्रा का फ्लैश कार्ड निकालें और बच्चों को यह बताएं कि यह ‘अं’ की मात्रा है।

– उन्हें बताएं कि जब हम ‘क’ व्यंजन पर ‘अं’ की मात्रा लगाते हैं तो ‘कं’ बनता है। इसी प्रकार कुछ अन्य व्यंजनों पर ‘अं’ की मात्रा लगाकर उसका उच्चारण बच्चों से करवाएं।

– उनसे पूछें कितने बच्चे इस मात्रा को लिख सकते हैं। कुछ बच्चों से बोर्ड पर मात्रा लिखवाएं।

– अब कोई भी 5-6 व्यंजन बोर्ड पर लिखें और एक-एक बच्चे को बुलाकर किसी एक व्यंजन पर ‘अं’ की मात्रा लगाकर उसका मात्रा सहित उच्चारण करने को कहें।

– इसी प्रकार कुछ अन्य व्यंजन लिखकर उन पर मात्रा लगाकर बोलने का अभ्यास करवायें।

– गतिविधि के उपरांत पृष्ठ संख्या 31 पर दिए कं, नं, सं, जं, तं आदि वर्ण पढ़ने के लिए बच्चों को प्रेरित करें।

– बच्चों को ‘अं’ की मात्रा वाले व्यंजन से शब्द बनाना सिखाएं। सबसे पहले नीचे दिया आरेख श्यामपट्ट पर बनाएं और बच्चों को ‘सं’ से शुरू होने वाले शब्द बताने के लिए कहें। बच्चों द्वारा बताएं ‘सं’ से शुरू होने वाले शब्दों को इस प्रकार लिख दें।

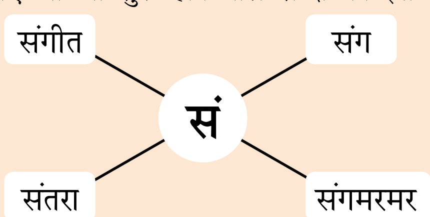

अब बारी-बारी से बच्चों से पृष्ठ संख्या 32 पर दिया शब्दकोश पढ़वाएं।

– प्रश्न ‘क’ में अमात्रिक शब्दों पर ‘अं’ (ं) की मात्रा लगाकर पढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे।

गृहकार्य – पृष्ठ 32 का ‘ख’ प्रश्न

गृहकार्य: बच्चों को अभ्यास पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 40, 41 व 42 गृहकार्य में दें।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	33

अपेक्षित परिणामः 'अं' की मात्रा का सही प्रयोग कर शब्दों का पठन व लेखन

पुस्तक का अनुभागः अं (ं) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकनः – अवलोकन द्वारा बिना मात्रा वाले शब्दों पर मात्रा लगाकर शब्द बनाने का मूल्यांकन

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(33) – श्यामपट्ट पर कुछ वस्तुओं के चित्र बनाकर उनके नाम बिना (ं) की मात्रा के लिखें। समझाने के लिए एक-एक उदाहरण करके दिखाएं। [अंगूर का चित्र] अंगूर [पंखा का चित्र] पखा – अब बच्चों को प्रेरित करें कि वे स्वयं 'ग' भाग करें और चित्रों के साथ उनके सही नाम का उचित मिलान भी करें। गृहकार्य – पृष्ठ 33 का 'घ' प्रश्न	– अधूरे शब्दों पर मात्रा लगाकर शब्द बनाते हुए उचित मिलान करेंगे।

गृहकार्यः – बच्चों को अभ्यास पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 40, 41 व 42 गृहकार्य में दें।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	34, 35

अपेक्षित परिणामः 'अं' की मात्रा वाले शब्दों का पठन व लेखन

पुस्तक का अनुभागः अं (ं) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकनः – अवलोकन द्वारा फ्लैश कार्ड पर बने चित्रों के नाम का मूल्यांकन

शिक्षण साामग्रीः पंखा, पतंग और शंख का फ्लैश कार्ड।

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(34, 35) अध्यापिका श्यामपट्ट पर निम्नलिखित वाक्य लिखें। 1. .... चल रहा है। 2. अखिलेश .... उड़ा रहा है। 3. पुजारी ने .... बजाया। – अब चित्रों के कार्ड्स को मेज पर रख दें और बारी-बारी से बच्चों को अपने पास बुलाएं और उन्हें कहें कि वे श्यामपट्ट पर लिखें किसी एक वाक्य को पढ़ें और उस वाक्य में आने वाले चित्र का नाम फ्लैश कार्ड्स में से पहचानकर बताएं।	– चित्र पहचानकर उसका नाम लिखेंगे और अधूरे वाक्य पूरे करेंगे।

– गतिविधि समाप्त होने के बाद बच्चों को पृष्ठ संख्या 34 व 35 पर दिए प्रश्न को पुस्तक में दिए निर्देश के अनुसार करवाएं।	

कुल अवधि 2 **पृष्ठ संख्या** 34, 35

अपेक्षित परिणामः कहानी पढ़कर अभ्यास कार्य करना

पुस्तक का अनुभागः अं (ं) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकनः – अवलोकन द्वारा श्रवण कौशल व लेखन कौशल का मूल्यांकन

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(36, 37) – बच्चों से पुस्तक का पृष्ठ खोलने को कहें और उन्हें बताएं कि आप 'चंदनपुर का चिड़ियाघर' कहानी पढ़ेंगी और वे उंगली से आपका अनुसरण करेंगे। – अब ' चंदनपुर का चिड़ियाघर' कहानी में दिए गए वाक्यों को उचित गति व आरोह अवरोह के साथ पढ़ें। – बच्चों से यही कहानी बारी-बारी से जोड़ों में पढ़ने को कहें। जोड़े में पढ़ते समय एक बच्चा पढ़ेगा और दूसरा बच्चा पुस्तक में उंगली से अनुसरण करेगा। – अंत में कुछ बच्चों से इस भाग का स्वतंत्र वाचन करवाएं। – स्वतंत्र वाचन के बाद बच्चों से पुस्तक में दिए निर्देशानुसार कार्य करवाएं और उस समय कक्षा में घूम-घूमकर बच्चों का अवलोकन करें। गतिविधि समाप्त होने के बाद बच्चों को पृष्ठ संख्या 34 व 35 पर दिए प्रश्न को पुस्तक में दिए निर्देश के अनुसार करवाएं।	– बोले गए वाक्यों पर उंगली रखते हुए अनुकरण करेगें। – पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे। – पृष्ठ पर दिए गए प्रश्न का उचित मिलान करेंगे।

कुल अवधि 2 **पृष्ठ संख्या** 34, 35

अपेक्षित परिणामः (करने की बारी) कागज से पंखा बनाने की विधि जानना सोचने की बारी (चिंतन कौशल का विकास), बोलने की बारी (वाचन कौशल का विकास), सुनने की बारी (श्रवण कौशल का विकास), जानने की बारी (ज्ञानवर्धक शिक्षा प्राप्त करना)

पुस्तक का अनुभागः करने, सोचने, बोलने, सुनने व जानने की बारी

मूल्यांकनः चिंतन कौशल, वाचन कौशल, श्रवण कौशल, ज्ञानवर्धक शिक्षा

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(38) – अध्यापिका इस प्रश्न में दिए निर्देश अनुसार बच्चों को कागज का पंखा बनाना सिखाएं।	– अध्यापिका के निर्देश अनुसार कागज का पंखा बनाएंगे। – पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे।

- कठिनाई आने पर अध्यापिका बच्चों की सहायता अवश्य करें।

(39) – दिए गए प्रश्नों का उच्चारण साफ़ व ऊँची आवाज में करें और बच्चों को प्रश्नों के उत्तर जानने का प्रयास करें।

- अध्यापिका बच्चों से बसंत पंचमी के विषय में समझाएंगी। इसके अतिरिक्त बच्चों से जानेंगी कि पतंग उड़ाते समय क्या-क्या सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

(40, 41) – अध्यापिका पृष्ठ संख्या 104 पर लिखे गए वाक्यों का उच्चारण साफ़ व ऊँची आवाज में करेंगी।

- ज्ञानवर्धक शिक्षा प्राप्त कराना

- अध्यापिका के निर्देश अनुसार कागज का पंखा बनाएंगे।
- पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे।
- अध्यापिका द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे।
- बच्चे बोले गए वाक्यों को ध्यानपूर्वक सुनकर अध्यापिका के निर्देशानुसार कार्य करते हुए झंडे में रंग भरेंगे।
- अध्यापिका द्वारा उच्चारण किए गए शब्दों को ध्यान से सुनेंगे।

उत्तरमाला

क. 1. कंघा 2. रंग 3. शंख

ख.

ग. 1. गदा, गंदा 2. घंटा, घटा 3. जग, जंग

घ. 1. पंखा 2. पतंग 3. झंडा

ङ. चित्रों के नाम- घंटी, अंगूर, डंडा

1. अंगूर 2. डंडा 3. घंटी

च. 1. अंगूर, अंदर, अंबर 2. मंदिर, मंजन, मंगल

3. संग, संतरा, संदूक 4. पंच, पंख, पंखा

छ. 1. अंगूर 2. संतरा 3. संदूक

4. बंदूक 5. मंदिर 6. जंगल

चंदनपुर का चिड़ियाघर (अभ्यास कार्य)

क) 1. संजय और पिंटू पतंग उड़ा रहे थे।

2. सबने मिलकर संतरे का जूस पिया।

3. चिड़ियाघर चंदनपुर में था।

4. चिड़ियाघर में कंचन को उसका मित्र चंदू मिला।

5. कंचन की सालगिरह मंगलवार के दिन थी।

करने की बारी

बच्चे स्वयं करेंगे।

सोचने की बारी

1. तिरंगा 2. गंगा 3. शंख 4. बंदर

बोलने की बारी

इस प्रश्न का उत्तर भिन्न हो सकता है।

सुनने की बारी

बच्चे स्वयं करेंगे।

Chapter

11 अँ (ँ) की मात्रा का ज्ञान

अपेक्षित परिणाम | शिक्षण सामग्री | शिक्षण/विद्यार्थी गतिविधियाँ | श्यामपट्ट

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	44, 45

अपेक्षित परिणामः अँ (ँ) की मात्रा की पहचान व शब्दों का पठन

पुस्तक का अनुभागः ओ (ो) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकनः – अवलोकन द्वारा 'ओ' की मात्रा की पहचान का मूल्यांकन

शिक्षण सामग्रीः अँ (ँ) की मात्रा का फ्लैश कार्ड

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(44, 45) 'अँ' की मात्रा की पहचान कराने के लिए नीचे लिखी कविता को उचित हाव-भाव, सुर व लय ताल के साथ बच्चों के साथ गाएं– **ऊँट देखकर भागा साँप** (कविता में आई सभी 'अँ' की मात्राओं को रंगीन करो।) गाँव में साँवरिया था एक, उसके खेत में पेड़ अनेक, उस पर बैठी थी पाँच चिड़ियाँ, आसपास लहलाती थी बालियाँ, बालियों से निकला एक साँप, ऊँट देखकर भाग गया साँप। बच्चो के साथ कविता गाने के बाद उनसे पूछें: 1. पेड़ पर कितनी चिड़ियाँ बैठी थी? 2. बालियों से निकलकर कौन आया? – बच्चों के द्वारा दिए उत्तर को श्यामपट्ट पर लिखें।	– बोली गई कविता 'ऊँट देखकर भागा साँप' ध्यान से सुनेंगे और कविता से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देंगे। – श्यामपट्ट पर लिखे व्यंजनों को ध्यान से पढ़ेंगे और उन पर 'अँ' की मात्रा लगाकर उनका उच्चारण करेंगे। – अध्यापिका द्वारा 'अँ' की मात्रा से बनाए गए शब्दों को बनाना सीखेंगे। – शब्द पढ़कर 'अँ' की मात्रा पर गोला लगाएंगे।

उत्तर 1 पाँच

उत्तर 2 साँप

- अब बच्चों से पूछें कि इन उत्तरों में कौन-सी आवाज समान है? ('अँ' की आवाज) उन्हें बताएं कि 'अँ' की आवाज़ को लिखने के लिए ' ँ ' का प्रयोग किया जाता है। श्यामपट्ट पर 'अँ' की मात्रा बनाकर दिखाएं।

- अब 'अँ' की मात्रा का फ्लैश कार्ड निकालें और बच्चों को यह बताएं कि यह 'अँ' की मात्रा है।

- उन्हें बताएं कि जब हम 'क' व्यंजन पर 'अँ' की मात्रा लगाते हैं तो 'कँ' बनता है। इसी प्रकार कुछ अन्य व्यंजनों पर 'अँ' की मात्रा लगाकर उसका उच्चारण बच्चों से करवाएं।

- उनसे पूछें कितने बच्चे इस मात्रा को लिख सकते हैं। कुछ बच्चों से बोर्ड पर मात्रा लिखवाएं।

- अब कोई भी 5-6 व्यंजन बोर्ड पर लिखें और एक-एक बच्चे को बुलाकर किसी एक व्यंजन पर 'अँ' की मात्रा लगाकर उसका मात्रा सहित उच्चारण करने को कहें।

- इसी प्रकार कुछ अन्य व्यंजन लिखकर उन पर मात्रा लगाकर बोलने का अभ्यास करवायें।

- गतिविधि के उपरांत पृष्ठ संख्या 44 पर दिए कँ, गँ, पँ, मँ, खँ आदि वर्ण पढ़ने के लिए बच्चों को प्रेरित करें।

- बच्चों को 'अँ' की मात्रा वाले व्यंजन से शब्द बनाना सिखाएं। सबसे पहले नीचे दिया आरेख श्यामपट्ट पर बनाएं और बच्चों को 'बाँ' से शुरू होने वाले शब्द बताने के लिए कहें। बच्चों द्वारा बताएं 'आँ' से शुरू होने वाले शब्दों को इस प्रकार लिख दें।

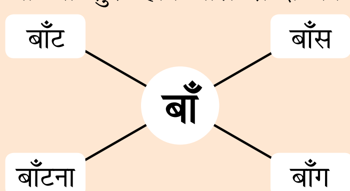

अब बारी-बारी से बच्चों से पृष्ठ संख्या 45 पर दिया शब्दकोश पढ़वाएं।

- प्रश्न 'क' में 'अं' तथा 'अँ' की मात्रा से बने शब्दों का उचित मिलान करने के लिए प्रेरित करेंगे।

गृहकार्य - पृष्ठ 46

- बोली गई कविता 'गौरव के चौबीस पौधे' ध्यान से सुनेंगे और कविता से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देंगे।

- श्यामपट्ट पर लिखे व्यंजनों को ध्यान से पढ़ेंगे और उन पर 'औ' की मात्रा लगाकर उनका उच्चारण करेंगे।

- शब्द पढ़कर 'औ' की मात्रा पर गोला लगाएंगे।

गृहकार्य: - बच्चों को अभ्यास पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 43, 44 व 45 गृहकार्य में दें।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	34, 35

अपेक्षित परिणामः 'अँ' की मात्रा का से बने शब्दों के चित्रों के नाम की पहचान 'अं' तथा 'अँ' की मात्रा वाले शब्दों में अंतर समझना

पुस्तक का अनुभागः अँ (ँ) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकनः – अवलोकन द्वारा 'अँ' की मात्रा वाले शब्दों को पहचानने का मूल्यांकन

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(47) – अध्यापिका बच्चों को ऐसे चित्र दिखाएंगी जिनके नाम में 'अँ' की मात्रा के प्रयोग से बने हों। उसके उपरांत बच्चों को प्रेरित करेंगी कि वे स्वयं 'घ' प्रश्न में दिए चित्रों को पहचानकर उनका लिखें। – कठिनाई आने पर अध्यापिका बच्चों की सहायता अवश्य करें। – अध्यापिका सहायक शब्दों में दिए गए शब्दों का उच्चारण करेंगी और बच्चों को 'अं' तथा 'अँ' के बीच अंतर समझाएंगी। – उसके उपरांत बच्चों से कहेंगी कि वे स्वयं प्रश्न 'ङ' हल करें।	– चित्रों के नाम पहचानकर लिखेंगे। – अध्यापिका के निर्देश अनुसार कार्य करेंगे।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	36, 37

अपेक्षित परिणामः कहानी पढ़कर अभ्यास कार्य करना

पुस्तक का अनुभागः अँ (ँ) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकनः – अवलोकन द्वारा श्रवण कौशल व लेखन कौशल का मूल्यांकन

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(36, 37) – बच्चों से पुस्तक का पृष्ठ खोलने को कहें और उन्हें बताएं कि आप 'चाँदनी चौक' कहानी पढ़ेंगी और वे उंगली से आपका अनुसरण करेंगे। – अब 'चाँदनी चौक' कहानी में दिए गए वाक्यों को उचित गति व आरोह अवरोह के साथ पढ़ें। – बच्चों से यही कहानी बारी-बारी से जोड़ों में पढ़ने को कहें। जोड़े में पढ़ते समय एक बच्चा पढ़ेगा और दूसरा बच्चा पुस्तक में उंगली से अनुसरण करेगा। – अंत में कुछ बच्चों से इस भाग का स्वतंत्र वाचन करवाएं। – स्वतंत्र वाचन के बाद बच्चों से पुस्तक में दिए निर्देशानुसार कार्य करवाएं और उस समय कक्षा में घूम-घूमकर बच्चों का अवलोकन करें। गतिविधि समाप्त होने के बाद बच्चों को पृष्ठ संख्या 49 पर दिए प्रश्न को पुस्तक में दिए निर्देश के अनुसार करवाएं।	– बोले गए वाक्यों पर उंगली रखते हुए अनुकरण करेगें। – पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे। – पृष्ठ पर दिए गए प्रश्न का उचित मिलान करेंगे।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	50

अपेक्षित परिणाम: (करने की बारी) आधे व पूरे चाँद का चित्र बनाना सीखेंगे, सोचने की बारी (चिंतन कौशल का विकास), बोलने की बारी (वाचन कौशल का विकास), सुनने की बारी (श्रवण कौशल का विकास), जानने की बारी (ज्ञानवर्धक शिक्षा प्राप्त करना)

पुस्तक का अनुभाग: करने, सोचने, बोलने, सुनने व जानने की बारी

मूल्यांकन: चिंतन कौशल, वाचन कौशल, श्रवण कौशल, ज्ञानवर्धक शिक्षा

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(50) – अध्यापिका बच्चों से कहें कि वे दिए गए स्थान पर आधे व पूरे चाँद का चित्र बनाएँ।	– अध्यापिका के निर्देश अनुसार चाँद का चित्र बनाएँगे।
– अध्यापिका बच्चों से पहले उनके शरीर के अंगों के नाम जानेंगी। उसके उपरांत सहायक शब्दों में दिए नामों का उच्चारण करेंगी और बच्चों से कहेंगी कि वे नाम सुनकर अपने शरीर के उस अंग पर हाथ रखेंगे। – यदि बच्चे गलत उत्तर बताएं तो अध्यापिका उनकी सहायता करें।	– शरीर के अंगों के नामों की पहचान करेंगे।
(51, 52) – दिए गए प्रश्नों का उच्चारण साफ़ व ऊँची आवाज में करें और बच्चों को प्रश्नों के उत्तर जानने का प्रयास करें। – अध्यापिका पृष्ठ संख्या 104 पर लिखे गए वाक्यों का उच्चारण साफ़ व ऊँची आवाज में करेंगी।	– अध्यापिका द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे। – बच्चे बोले गए वाक्यों को ध्यानपूर्वक सुनकर अध्यापिका के निर्देशानुसार कार्य करेंगे।
– ज्ञानवर्धक शिक्षा प्राप्त कराना।	– अध्यापिका द्वारा उच्चारण किए गए शब्दों को ध्यान से सुनेंगे।

गृहकार्य: – अध्यापिका द्वारा दी गई जानकारी को ध्यान से सुनकर ग्रहण करेंगे।

उत्तरमाला

क.

ख. 1. ऊँट 2. आँख 3. हँसना 4. काँच 5. चाँद 6. आँसू

ग. 1. अँगूठी 2. पूँछ 3. काँटा 4. सूँड 5. बाँसुरी

घ. 1. साँप 2. कुँआ 3. चाँद 4. ऊँट 5. दाँत 6. मूँगफली

ङ. अं – पंजा, ठंडा, पंख, खंभा, मंजन

अँ – गाँव, टाँग, ताँगा, काँच, मुँह

चाँदनी चौक (अभ्यास कार्य)

क. 1. आँचल और साँवरी का घर चाँदपुर में था।
2. सब ताँगे पर बैठकर चाँदनी चौक गए।
3. चूड़ी व लहँगा साँवरी ने खरीदा।
4. अँगूठी आँचल ने खरीदी।
5. घर आकर सबने गरमा-गरम जलेबियाँ खाई।

ख. 1. आँचल 2. मुँह 3. काँच 4. अँगूठी 5. साँवरी 6. बूँद

करने की बारी

बच्चे स्वयं करेंगे।

सोचने की बारी

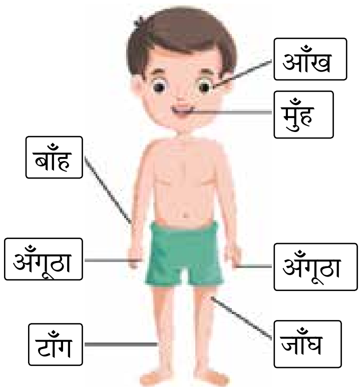

बोलने की बारी

इस प्रश्न का उत्तर भिन्न हो सकता है।

सुनने की बारी

बच्चे स्वयं करेंगे।

Chapter 12

अ: (:) की मात्रा का ज्ञान

अपेक्षित परिणाम | शिक्षण सामग्री | शिक्षण/विद्यार्थी गतिविधियाँ | श्यामपट्ट

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	55

अपेक्षित परिणाम: व्यंजन के साथ 'अ:' की मात्रा का उच्चारण, लेखन व पठन

पुस्तक का अनुभाग: अ: (:) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकन: – अवलोकन द्वारा 'अ:' की मात्रा व शब्दों के पठन का मूल्यांकन

शिक्षण सामग्री: अ: (:) की मात्रा का फ्लैश कार्ड

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(55) 'अँ' की मात्रा के मौखिक अभ्यास के लिए – ' : ' की मात्रा वाले कुछ शब्द श्यामपट्ट पर लिखें और उनका उच्चारण करें। **क्रमशः प्रातः अतः संभवतः पुनः** – अब बच्चों से पूछें कि इन शब्दों में कौन सी आवाज समान है? (अः की आवाज) – उन्हें बताएं कि 'अ:' की आवाज को लिखने के लिए ' : ' का प्रयोग किया गया है। – अब 'अ:' की मात्रा का फ्लैश कार्ड निकालें और बच्चों को बताएं कि यह 'अ:' की मात्रा है। – उन्हें बताएं कि जब 'क' व्यंजन पर 'अ:' की मात्रा लगाते हैं तो 'क:' बनता है। इसी प्रकार कुछ अन्य व्यंजनों पर 'अ:' की मात्रा लगाकर उसका उच्चारण बच्चों से करवाएं। – उनसे पूछें कि कितने बच्चे इस मात्रा को लिख सकते हैं। कुछ बच्चों से बोर्ड पर मात्रा लिखवाएं। – अब कोई भी 5-6 व्यंजन बोर्ड पर लिखें और एक-एक कर बच्चों को बुलाकर किसी एक व्यंजन पर 'अ:' की मात्रा लगाकर उसका मात्रा सहित उच्चारण करने को कहें। – इसी प्रकार कुछ अन्य व्यंजन लिखकर उन पर मात्रा लगाकर बोलने का अभ्यास करवाएं।	– श्यामपट्ट पर लिखें शब्दों को ध्यान से पढ़ेंगे और उन पर 'अ:' की मात्रा लगाकर उनका उच्चारण करेंगे। – 'अ:' की मात्रा से बनाए गए व्यंजनों को पढ़ना सीखेंगे।

– गतिविधि के उपरांत पृष्ठ संख्या 55 पर दिए कः, नः, सः, जः, तः आदि वर्ण पढ़ने के लिए बच्चों को प्रेरित करें। – अब पृष्ठ संख्या 56 व 57 पर दिए प्रश्नों को पुस्तक में दिए गए निर्देशानुसार करवाएं।	

गृहकार्यः – बच्चों को अभ्यास पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 46 व 47 गृहकार्य में दें।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	58, 59

अपेक्षित परिणामः कहानी पढ़कर अभ्यास कार्य करना

पुस्तक का अनुभागः अः (:) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकनः – अवलोकन द्वारा श्रवण कौशल व लेखन कौशल का मूल्यांकन

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(58, 59) – बच्चों से पुस्तक का पृष्ठ खोलने को कहें और उन्हें बताएं कि आप 'बंटी और बबली' कहानी पढ़ेंगी और वे उंगली से आपका अनुसरण करेंगे। – अब 'बंटी और बबली' कहानी में दिए गए वाक्यों को उचित गति व आरोह अवरोह के साथ पढ़ें। – बच्चों से यही कहानी बारी-बारी से जोड़ों में पढ़ने को कहें। जोड़े में पढ़ते समय एक बच्चा पढ़ेगा और दूसरा बच्चा पुस्तक में उंगली से अनुसरण करेगा। – अंत में कुछ बच्चों से इस भाग का स्वतंत्र वाचन करवाएं। – स्वतंत्र वाचन के बाद बच्चों से पुस्तक में दिए निर्देशानुसार कार्य करवाएं और उस समय कक्षा में घूम-घूमकर बच्चों का अवलोकन करें। गतिविधि समाप्त होने के बाद बच्चों को पृष्ठ संख्या 59 पर दिए प्रश्न को पुस्तक में दिए निर्देश के अनुसार करवाएं।	– बोले गए वाक्यों पर उंगली रखते हुए अनुकरण करेगें। – पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे।

गृहकार्यः करने, सोचने, बोलने, सुनने व जानने की बारी

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	58, 59

अपेक्षित परिणामः (करने की बारी) स्वरों से गुजरते हुए विद्यालय पहुँचना, सोचने की बारी (चिंतन कौशल का विकास), बोलने की बारी (वाचन कौशल का विकास)

पुस्तक का अनुभागः अः (:) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकनः चिंतन कौशल, वाचन कौशल

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(60) – अध्यापिका बच्चों से कहें कि वे स्वरों के उचित क्रम से गुजरते हुए सौरभ को पाठशाला पहुँचाए। (61) – अध्यापिका बच्चों से कछुए और घोड़े की चाल से संबंधित विषय पर बात करेंगी। – अध्यापिका पृष्ठ संख्या 104 पर लिखे गए वाक्यों का उच्चारण साफ़ व ऊँची आवाज में करेंगी।	– अध्यापिका के निर्देश अनुसार सौरभ को पाठशाला पहुँचाएंगे।। – अध्यापिका द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे।

उत्तरमाला

क. 1. प्रातः 2. अंततः 3. क्रमशः 4. पुनः 5. शनैः 6. प्रायः

ख. 1. तपः 2. नमः 3. प्रायः 4. प्रातः 5. दु:ख 6. नि:सहाय

ग. 1. प्रायः 2. प्रातः 3. छः

घ. 1. माया प्रातः उठती है। 2. आकाश पुनः चलो।
3. रात हो गई। अतः भोजन करो। 4. कछुआ शनैःशनैः चलता है।
5. सूर्य को नमः करो।

बंटी और बबली (अभ्यास कार्य)

क. 1. बंटी और बबली प्रातः छः बजे उठते थे।
2. बबली नि:सहाय लोगों की सहायता करती थी।
3. दोनों बच्चे दादी के घर रविवार के दिन गए थे।

ख. 1. प्रातः 2. छः 3. अतः 4. दु:ख

करने की बारी

बच्चे स्वयं करेंगे।

सोचने की बारी

बच्चे स्वयं उत्तर देंगे।

बोलने की बारी

इस प्रश्न का उत्तर भिन्न हो सकता है।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	64, 65, 66, 67

अपेक्षित परिणाम: 'अ' से 'अ:' तक की मात्राओं का पुनरभ्यास

पुस्तक का अनुभाग: अ से अ: की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकन: – अवलोकन द्वारा 'अ' से 'अ:' तक की मात्राओं का मूल्यांकन

शिक्षण सामग्री: मात्रा सहित (अ से अ:) व मात्रा रहित कुछ व्यंजनों के फ्लैश कार्ड जैसे (हा, ल, र, थ, कि, सा, न, मा, ला, थी, कु, ल, ली, सू, ज, ट, बे, टा, पै, पं, ख, आँ, प्रा, त: आदि।

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(64, 65, 66, 67) – 'अ' से 'अ:' तक स्वरों का पुनरभ्यास तथा मात्रा सहित अभ्यास कराने के लिए अध्यापिका कक्षा में बच्चों को एक गोल घेरे में खड़ा करें और घेरे के बीच में सभी फ्लैश कार्ड को फैला दें। अब बारी-बारी से बच्चों से कहें कि वे अलग-अलग फ्लैश कार्डों की सहायता से शब्द बनाएं। यह प्रक्रिया तब तक दोहराई जाए जब तक सभी बच्चों की बारी न आ जाए। – गतिविधि को करवाने के उपरांत 'आओ, गुनगुनाएँ स्वरगीत' कविता का उचित हाव-भाव व लय-ताल के साथ वाचन करवाएं। – अध्यापिका अपने अनुसार बारहखड़ी करवाएं।	– अध्यापिका के निर्देशानुसार गतिविधि में भाग लेंगे। – कविता का वाचन करेंगे।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	68, 69, 70

अपेक्षित परिणाम: मात्रा रहित व मात्रा सहित अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाना

पुस्तक का अनुभाग: अ से अ: की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकन: – अवलोकन द्वारा शब्द निर्माण का मूल्यांकन

शिक्षण सामग्री: मात्रा रहित व मात्रा सहित कुछ अक्षरों के फ्लैश कार्ड्स

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(68, 69, 70) – अध्यापिका दिए गए निर्देश अनुसार बच्चों से शब्द भंडार भाग करवाएं। गतिविधि समाप्त होने के बाद बच्चों को पृष्ठ संख्या 59 पर दिए प्रश्न को पुस्तक में दिए निर्देश के अनुसार करवाएं।	– दिए गए निर्देश अनुसार कार्य करेंगे।

उत्तरमाला

शब्द भंडार – 1

1. कार 2. किला 3. हाथी 4. कुली 5. जून 6. केला
7. मैदा 8. धोती

शब्द भंडार – 2

क. 1. कान, साग, चाल 2. किला, सिर, चिमटा 3. कील, सीटी, चील
4. कुरता, सुर, चुटकी 5. कूलर, सूट, चूड़ी 6. केला, सेब, चेला
7. कैद, सैर, चैन 8. कोयल, सोना, चोटी 9. कौआ, सौदागर, चौखट
10. कंगन, संग, चंदन 11. काँच, साँवरी, चाँदी

ख. 1. तारा 2. कौआ 3. घोड़ा 4. कछुआ 5. तकिया
6. सपेरा 7. कैमरा 8. दीपक

Chapter
13

ट्ट (ृ) की मात्रा का ज्ञान

अपेक्षित परिणाम   शिक्षण सामग्री   शिक्षण/विद्यार्थी गतिविधियाँ   श्यामपट्ट

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	71, 72

अपेक्षित परिणाम: ऋ (ृ) की मात्रा की पहचान व शब्दों का पठन

पुस्तक का अनुभाग: ऋ (ृ) की मात्रा का ज्ञान

मूल्यांकन: – अवलोकन द्वारा 'ऋ' की मात्रा व शब्दों के पठन का मूल्यांकन

शिक्षण सामग्री: ऋ (ृ) की मात्रा का फ्लैश कार्ड

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(71, 72) अध्यापिका 'ऋ' की मात्रा सें संबंधित बच्चों को एक कहानी सुनाएं। **ऋषि और मृग** एक बार एक ऋषि वंसत ऋतु में वृक्ष के नीचे बैठकर तपस्या कर रहा था। तभी अचानक वहाँ एक मृग आ गया और वह इधर-उधर उछलने लगा, मृग की हलचल सुनकर ऋषि अचानक उठकर खड़ा हो गया और उसने मृग को वहाँ से जाने के लिए कहा। मृग चुपचाप वहाँ से चला गया और ऋषि ने फिर से तपस्या करना शुरू कर दिया। कहानी में आए ऋषि, मृग, वृक्ष और ऋतु शब्द को श्यामपट्ट पर लिख दें। अब ऋतु व ऋषि शब्द में से 'ऋ' को अलग करें और मृग व वृक्ष शब्द में 'ऋ' की मात्रा यानि ' ृ ' को अलग करें और बच्चों को बताए कि 'ऋ' और ' ृ ' की मात्रा श्यामपट्ट पर बनाकर दिखाएं। – श्यामपट्ट पर कुछ व्यंजन लिखें और बच्चों से उन पर ' ृ ' की मात्रा लगवाकर उन्हें पढ़वाएं। – अब बारी-बारी से बच्चों से पृष्ठ संख्या 72 पर दिया शब्दकोश पढ़वाएं। – प्रश्न 'क' व 'ख' दिए गए निर्देश अनुसार बच्चों को करने के लिए प्रेरित करेंगे। गृहकार्य – पृष्ठ 73 व 74	– बोली गई कहानी 'ऋषि और मृग' ध्यान से सुनेंगे। – श्यामपट्ट पर लिखें व्यंजनों को ध्यान से पढ़ेंगे और उन पर 'ऋ' की मात्रा लगाकर उनका उच्चारण करेंगे।

गृहकार्य: – बच्चों को अभ्यास पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 48 व 49 गृहकार्य में दें।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	75, 76

अपेक्षित परिणाम: कहानी पढ़कर अभ्यास कार्य करना

मूल्यांकन: – अवलोकन द्वारा श्रवण कौशल व लेखन कौशल का मूल्यांकन

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(75, 76) – बच्चों से पुस्तक का पृष्ठ खोलने को कहें और उन्हें बताएं कि आप 'ऋषि की कुटिया' कहानी पढ़ेंगी और वे उंगली से आपका अनुसरण करेंगे। – अब ' ऋषि की कुटिया' कहानी में दिए गए वाक्यों को उचित गति व आरोह अवरोह के साथ पढ़ें। – बच्चों से यही कहानी बारी-बारी से जोड़ों में पढ़ने को कहें। जोड़े में पढ़ते समय एक बच्चा पढ़ेगा और दूसरा बच्चा पुस्तक में उंगली से अनुसरण करेगा। – अंत में कुछ बच्चों से इस भाग का स्वतंत्र वाचन करवाएं। – स्वतंत्र वाचन के बाद बच्चों से पुस्तक में दिए निर्देशानुसार कार्य करवाएं और उस समय कक्षा में घूम-घूमकर बच्चों का अवलोकन करें। गतिविधि समाप्त होने के बाद बच्चों को पृष्ठ संख्या 76 पर दिए प्रश्न को पुस्तक में दिए निर्देश के अनुसार करवाएं।	– बोले गए वाक्यों पर उंगली रखते हुए अनुकरण करेगें। – पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे। – पृष्ठ पर दिए गए प्रश्न का उचित मिलान करेंगे।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	75, 76

अपेक्षित परिणाम: (करने की बारी) कागज का मृग बनाना सीखेंगे, सोचने की बारी (चिंतन कौशल का विकास), बोलने की बारी (वाचन कौशल का विकास), सुनने की बारी (श्रवण कौशल का विकास)

पुस्तक का अनुभाग: करने, सोचने, बोलने, सुनने व जानने की बारी

मूल्यांकन: चिंतन कौशल, वाचन कौशल, श्रवण कौशल .

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(77) – अध्यापिका बच्चों से दिए गए निर्देशानुसार कागज का हिरन बनावाएंगी। (78) – अध्यापिका बच्चों से जानेंगी कि घर बनाने के लिए हमें किस-किस सामान की आवश्यकता होती है। इसी प्रकार एक चिड़िया को घोंसला बनाने के लिए किस-किस सामान की आवश्यकता होती है।	– अध्यापिका के निर्देश अनुसार कागज का मृग बनाएँगे। – घर व घोंसला बनाने के लिए आवश्यकत सामान के बारे में जानेंगे।

– बच्चों द्वारा दिए उत्तर जानने के उपरांत उन्हें यह भाग स्वयं हल करने के लिए प्रेरित करेंगी।	
– दिए गए प्रश्नों का उच्चारण साफ़ व ऊँची आवाज में करें और बच्चों को प्रश्नों के उत्तर जानने का प्रयास करें।	– अध्यापिका द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे।
– अध्यापिका पृष्ठ संख्या 104 पर लिखे गए वाक्यों का उच्चारण साफ़ व ऊँची आवाज में करेंगी।	– बच्चे बोले गए वाक्यों को ध्यानपूर्वक सुनकर अध्यापिका के निर्देशानुसार कार्य करेंगे।

गृहकार्य: – अध्यापिका द्वारा दी गई जानकारी को ध्यान से सुनकर ग्रहण करेंगे।

उत्तरमाला

क.	1. कृ	2. लृ	3. पृ	4. गृ	5. वृ	6. सृ
ख.	1. तृण	2. घृणा	3. वृक्ष	4. अमृत	5. कृपालु	6. गृहिण
ग.	1. ऋषभ	2. वृक्ष	3. घृणा	4. मृदा	5. गृहिणी	
घ.	1. वृक्ष	2. मृग	3. नृप	4. गृह	5. गृहिणी	6. कृषक

ङ. 1. राम का गृह बहुत सुंदर है। 2. किसी से घृणा नहीं करनी चाहिए।
3. कृषक बहुत मेहनती होते हैं। 4. मोनिका कल अमृतसर जाएगी।
5. चिड़िया तृण उठाकर लाई। 6. बरगद का वृक्ष घना होता है।

ऋषि की कुटिया (अभ्यास कार्य)

1. सुनसान जगह पर ऋषि की कुटिया थी।
2. कुटिया के आँगन में एक आम का वृक्ष था।
3. प्रतिदिन घास चरने एक मृग आता था।
4. नृप ऋषि की कृपालुता जानता था।

करने की बारी

बच्चे स्वयं करेंगे।

सोचने की बारी

बच्चे स्वयं उत्तर देंगे।

बोलने की बारी

इस प्रश्न का उत्तर भिन्न हो सकता है।

सुनने की बारी

अध्यापिका के निर्देशानुसार कार्य करेंगे।

Chapter
14 संयुक्त

अपेक्षित परिणाम | शिक्षण सामग्री | शिक्षण/विद्यार्थी गतिविधियाँ | श्यामपट्ट

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	82, 83, 84

अपेक्षित परिणामः द्वित्व व संयुक्ताक्षरों की वाले शब्दों का उच्चारण व पठन

पुस्तक का अनुभागः संयुक्त

मूल्यांकनः - अवलोकन द्वारा द्वित्व तथा संयुक्ताक्षरों का मूल्यांकन

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(82, 83, 84) **द्वित्व व्यंजन के लिए** इसी प्रकार अध्यापिका बच्चों को बताएं कि जब दो समान व्यंजनों का मेल होता है जिसमें पहला व्यंजन आधा तथा दूसरा व्यंजन पूरा होता है, तो द्वित्व व्यंजन होता है जैसे- - 'गन्ना', 'बच्चा' इन दोनों शब्दों में समान व्यंजन 'च' और 'च' का प्रयोग हुआ है जिसमें पहला समान व्यंजन आधा तथा दूसरा समान व्यंजन पूरा है। अतः यहाँ प्रयोग किए गए 'न्न' और 'च्च' द्वित्व व्यंजन के उदाहरण हैं। **संयुक्त अक्षर के लिए** - बच्चों को बताएं कि जब दो अलग-अलग व्यंजनों में पहला व्यंजन आधा तथा दूसरा व्यंजन पूरा होता है, तो वहाँ संयुक्त अक्षर होता है जैसे- 'पुस्तक' , 'बस्ता' इन दोनों शब्दों में आधा 'स्' तथा पूरा 'त' का प्रयोग किया गया है। अतः यहाँ प्रयोग किए गए 'स्त' शब्द में दो अलग-अलग व्यंजन हैं, जिनमें पहला अक्षर आधा व दूसरा अक्षर पूरा है। अतः ये संयुक्ताक्षर के उदारहण हैं। - बच्चों से इस प्रकार के उदाहरण बताने को कहें और उनके द्वारा बताये गए शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखें। - इस भाग में दिए गए प्रश्नों को निर्देशानुसार करवाएं।	- अध्यापिका के निर्देशानुसार कार्य करेंगे।

गृहकार्यः - बच्चों को अभ्यास पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 50 व 51 गृहकार्य में दें।

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	82, 83, 84

अपेक्षित परिणाम: अपठित पद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर देना। गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर देना

पुस्तक का अनुभाग: अपठित पद्यांश व गद्यांश

मूल्यांकन:
- अवलोकन द्वारा श्रवण कौशल व लेखन कौशल का मूल्यांकन
- अवलोकन द्वारा लेखन कौशल का मूल्यांकन

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(85, 86, 87) - बच्चों से पुस्तक का पृष्ठ 85 खोलने को कहें और उन्हें बताएं कि आप 'दिल्ली से आई बिल्ली' पाठ पढ़ेंगी और वे उंगली से आपका अनुसरण करेंगे। - अब 'दिल्ली से आई बिल्ली' में दी पंक्तियों का उचित गति व आरोह अवरोह के साथ पढ़ें। - बच्चों से यही भाग बारी-बारी से जोड़ों में पढ़ने को कहें। जोड़े में पढ़ते समय एक बच्चा पढ़ेगा और दूसरा बच्चा पुस्तक में उंगली से अनुसरण करेगा। - अंत में कुछ बच्चों से इस भाग का स्वतंत्र वाचन करवाएं।? - स्वतंत्र वाचन के बाद इस पृष्ठ पर दिए गए प्रश्न को स्वयं करने के लिए बच्चों को प्रेरित करें और उस समय कक्षा में घूम-घूमकर बच्चों का अवलोकन करें। - अंत में पृष्ठ संख्या 86 व 87 पर दिए प्रश्न को पुस्तक में दिए गए निर्देश के अनुसार करवाएं।	- बोले गए वाक्यों पर उंगली रखते हुए अनुकरण करेंगे। - पद्यांश से संबंधित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे।
(88, 89, 90, 91) - बच्चों से पुस्तक का पृष्ठ 88 खोलने को कहें और उन्हें बताएं कि आप 'चालाक बछड़ा' पाठ पढ़ेंगी और वे उंगली से आपका अनुसरण करेंगे। - अब ' चालाक बछड़ा' में दिये गए वाक्यों को उचित गति व आरोह अवरोह के साथ पढ़ें। बच्चों से यही भाग बारी-बारी से जोड़ों में पढ़ने को कहें। जोड़े में पढ़ते समय एक बच्चा पढ़ेगा और दूसरा बच्चा पुस्तक में उंगली से अनुसरण करेगा। - अंत में कुछ बच्चों से इस भाग का स्वतंत्र वाचन करवाएं।? - स्वतंत्र वाचन के बाद इस पृष्ठ पर दिए गए प्रश्न को स्वयं करने के लिए बच्चों को प्रेरित करें और उस समय कक्षा में घूम-घूमकर बच्चों का अवलोकन करें। - अंत में पृष्ठ संख्या 89, 90 व 91 पर दिए प्रश्नों को पुस्तक में दिए गए निर्देश के अनुसार करवाएं।	- बोले गए वाक्यों पर उंगली रखते हुए अनुकरण करेंगे। - गद्यांश से संबंधित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे।

गृहकार्य: – बच्चों को अभ्यास पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 54, 55 व 56 गृहकार्य में दें।

– बच्चों को अभ्यास पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 57 से 64 तक गृहकार्य में दें।

उत्तरमाला

द्वित्व व्यंजन

क. 1. गन्ना 2. पत्ता 3. गुब्बारा 4. चम्मच 5. बिल्ली 6. छत्ता

ख. 1. रस्सी 2. पत्ता 3. गुब्बारा 4. अम्मा 5. बिल्ली 6. गन्ना

संयुक्ताक्षर

क. 1. बस्ता 2. प्याज 3. मक्खन 4. मक्खी 5. बिस्कुट 6. स्कूटर

ख. 1. मक्खी 2. बस्ता 3. स्कूटर 4. शिष्य 5. रिक्त 6. स्थान

अपठित पद्यांश

क. 1. बिल्ली दिल्ली से आई थी। 2. बिल्ली रेल में बैठकर आई थी।

3. बिल्ली खबर लेकर आई थी।

4. लड़ाई मक्खी और टिड्डे के बीच हुई थी।

ख. 1. मक्खी 2. गन्ना 3. बिल्ली 4. टिड्डा

ग. 1. बिल्ली 2. गन्ने 3. टिड्डे

घ. इस प्रश्न का उत्तर भिन्न हो सकता है।

अपठित गद्यांश

क. 1. बछड़ा पत्ते खाने के लिए बाग में गया था।

2. बछड़े ने बिल्ली की प्रशंसा की।

3. चूहे का नाम सुनकर बिल्ली पेड़ पर चढ़ गई थी। ?

ख.

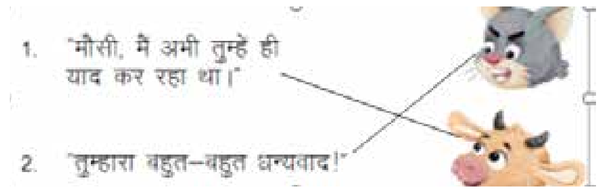

ग. इस प्रश्न का उत्तर भिन्न हो सकता है।

घ. 1. ☹ 2. ☺ 3. ☺ 4. ☺

ङ.

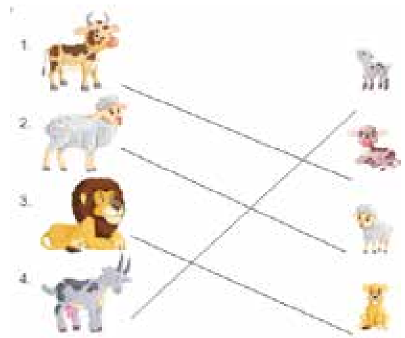

Chapter
15

उलटे अर्थ वाले शब्द

अपेक्षित परिणाम | शिक्षण सामग्री | शिक्षण/विद्यार्थी गतिविधियाँ | श्यामपट्ट

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	92, 93

अपेक्षित परिणाम: उलटे अर्थ वाले शब्दों का पठन

पुस्तक का अनुभाग: उलटे अर्थ वाले शब्द

मूल्यांकन: – अवलोकन द्वारा एक-अनेक वाले शब्दों का मूल्यांकन

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(92, 93) – अध्यापिका बच्चों को उलटे अर्थ वाले शब्द समझाने के लिए कक्षा में उपस्थित कुछ चीजों का सहारा लें जैसे- एक पतला चॉक उठाएं और एक मोटा चॉक उठाएं। अब बच्चों को दोनों चॉक दिखाते हुए बच्चों से दोनों के मध्य अंतर बताने को कहें। संभवत: बच्चों का उत्तर 'मोटा' और 'पतला' आएगा। इन दोनों शब्दों को श्यामपट्ट पर लिख दें। इसी प्रकार कुछ अन्य चीजों के साथ यह गतिविधि करवाएं। – एक बच्चे से रोने का अभिनय करने को कहें और एक बच्चे को हँसने का। अब इन दोनों शब्दों को भी श्यामपट्ट पर लिख दें। – एक पेंसिल को मेज पर रखें और एक पेंसिल को जमीन पर रखें और बच्चो 'ऊपर' व 'नीचे' शब्द निकलवाएं। अब इन शब्दों को भी श्यामपट्ट पर लिख दें। – इसी प्रकार अन्य उदाहरणों का सहारा लेते हुए बच्चों को उलटे अर्थ वाले शब्दों की पहचान करवाएं। – गतिविधि करवाने के उपरांत बच्चो को विलोम शब्द की अवधारणा समझाएं। – पृष्ठ संख्या 92 पर दिए गए शब्दों को एक्शन के साथ पढ़ाएं। – गतिविधि समाप्त होने के बाद पृष्ठ संख्या 93 पर दिए प्रश्नों को पुस्तक में दिए गए निर्देश के अनुसार करवाएं।	– समझाए गए उदाहरणों को ध्यान से सुनेंगे और अभिनय करते हुए उलटे अर्थ वाले शब्दों की पहचान करेंगे।

गृहकार्य: – बच्चों को अभ्यास पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 52 गृहकार्य में दें।

उत्तरमाला

क. 1. पतला 2. रोना 3. दिन 4. उदास 5. हलका 6. गरम

ख. 1. गरम 2. नीचे 3. छोटा

Chapter 16

एक-अनेक

अपेक्षित परिणाम | शिक्षण सामग्री | शिक्षण/विद्यार्थी गतिविधियाँ | श्यामपट्ट

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	94, 95

अपेक्षित परिणामः एक-अनेक शब्दों का पठन व लेखन

पुस्तक का अनुभागः एक-अनेक

मूल्यांकनः - अवलोकन द्वारा उलटे अर्थ वाले शब्दों का मूल्यांकन

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(94, 95) - कक्षा में उपस्थित कुछ चीजों का सहारा लें; जैसे- एक हाथ में एक पेंसिल लें और दूसरे हाथ में दो-तीन पेंसिलें लें। - अब बच्चों के सामने उस हाथ को आगे करें जिसमें एक पेंसिल है? और उनसे पूछें: - मेरे हाथ में क्या है? (पेंसिल) - अब उस हाथ को आगे करें जिसमें दो-तीन पेंसिलें हैं? और उनसे पूछें: - मेरे हाथ में कितनी पेंसिलें हैं? (बहुत-सी, दो या तीन) - बच्चों को बताएं कि किसी भी वस्तु की संख्या या तो एक होती है या एक से अधिक। जब यह संख्या एक से अधिक होती है तो उसे अनेक कहते हैं। - अब श्यामपट्ट पर 'एक' व 'अनेक' के दो कॉलम बनाएं और उसमें पेंसिल व पेंसिलें लिख दें। एक अनेक पेंसिल पेंसिलें कलम कलमें चिड़िया चिड़ियाँ मुरगा मुरगे - अब बारी-बारी से बच्चों को अपने पास बुलाएं और उन्हें कहें कि वे श्यामपट्ट पर बने कॉलम में अपने अनुसार उदाहरण लिखे। - गतिविधि समाप्त होने के बाद पृष्ठ संख्या 95 पर दिए प्रश्नों को पुस्तक में दिए गए निर्देश के अनुसार करवाएं।	- अध्यापिका द्वारा समझाए गए उदाहरणों को ध्यान से सुनेंगे और एक व अनेक शब्दों की पहचान करेंगे। - अध्यापिका द्वारा दिए गए निर्देशानुसार कार्य करेंगे।

गृहकार्यः - बच्चों को अभ्यास पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 53 गृहकार्य में दें।

उत्तरमाला

क. 1. ताले 2. समोसा 3. थैला 4. ठेला 5. लड़का 6. चाबी | ख. 1. घोड़े 2. चूहे 3. केले 4. डिब्बे

Chapter 17

वाक्य रचना व त्योहार

अपेक्षित परिणाम | शिक्षण सामग्री | शिक्षण/विद्यार्थी गतिविधियाँ | श्यामपट्ट

कुल अवधि	2	पृष्ठ संख्या	96-99

अपेक्षित परिणाम: चित्र पर आधारित, वाक्य रचना करना, कल्पना शक्ति द्वारा, वाक्य-रचना करना, त्योहरों के नाम जानना और महत्व समझना

पुस्तक का अनुभाग: वाक्य रचना (1, 2 व 3)

मूल्यांकन:
- अवलोकन द्वारा चित्र पहचानकर वाक्य रचना का मूल्यांकन
- अवलोकन द्वारा त्योहारों के नाम व उस दिन होने वाले विशेष कार्यो का मूल्यांकन

शिक्षक गतिविधियाँ	विद्यार्थी गतिविधियाँ
(96, 97) - कक्षा में बैठे बच्चों को दो-दो समूह में बाँटे और उनसे कहें कि वे पृष्ठ संख्या 96 पर दिए गए चित्र में होने वाले क्रियाकलापों को ध्यान से देखें। - कुछ देर पश्चात् बच्चों से कहें कि वे चित्र में होने वाले क्रियाकलापों को बोलकर बताएं। - बच्चों द्वारा बोले गए सभी अर्थपूर्ण वाक्यों को बोर्ड पर लिखते जाएं। - बताए गए वाक्यों को क्रमानुसार दिए गए स्थान पर लिखने के लिए कहें। - इसी प्रकार पृष्ठ संख्या 97 व 98 भी करवाएं। (98) - बच्चों से उनकी पंसद के फल का आकार, रंग और स्वाद जानने के बाद उन्हें प्रेरित करें कि वे पृष्ठ संख्या 98 पर अपने पंसदीदा फल का चित्र बनाकर उससे संबंधित पाँच वाक्य लिखें। - वाक्य लिखने के लिए बच्चों को बताएं कि वे फल का नाम, फल का स्वाद, फल का आकार, फल का रंग आदि लिख सकते हैं।	- बताए गए वाक्यों को क्रमानुसार दिए गए स्थान पर लिखेंगे।
(99) - अध्यापिका बच्चो से उनके पंसदीदा त्योहार के बारे में जानें और त्योहारों के बारे में निम्नलिखित बिंदुओं पर चर्चा करें। - त्योहार का नाम - मनाने का समय - कैसे मनाया जाता है? (विधि) - कहाँ और किसके द्वारा मनाया जाता है?	- अपने पंसदीदा त्योहार व उस दिन होने वाली विशेष चीजों के बारे में बताएंगे। - वाक्य पढ़कर उचित शब्द लिखते हुए खाली स्थान भरेंगे।

– उदाहरण के लिए अध्यापिका किसी एक त्योहार के दिन होने वाले विशेष कार्यों के बारे में बच्चो को बताएं जिससे बच्चों को अपने पसंदीदा त्योहार से संबंधित वाक्य बोलने में आसानी हो। – गतिविधि समाप्त होने के बाद पृष्ठ संख्या 99 पर दिए प्रश्न को पुस्तक में दिए गए निर्देश के अनुसार करवाएं।	

www.seedtoplant.in
seedtoplantinfo@gmail.com